दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 53/ अंक 124/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

आरएन.आई 22296/71 डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, सोमवार 11 दिसंबर 2023 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

राजस्थान को कल मिल जाएगा सीएम का चेहरा

विधायकों से हो सकती है वन-टू-वन चर्चा, कई वरिष्ठ विधायक वसुंधरा के घर जुटे

सांध्यप्रकाश विशेष

मप्र के मोहित पांडे होंगे श्रीराम मंदिर अयोध्या के प्रधान पुजारी

मध्यप्रदेश के सीधी जिले के ग्राम नकझर निवासी मोहित पांडे होगे। अयोध्या में निर्मित श्री राम मंदिर के प्रधान पुजारी 3000 आवेदकों की कड़ी स्पर्धा और डेढ़ के प्रमुख धर्माचार्यों द्वारा ली गई परीक्षा में सफल होकर उन्हें ये सुअवसर प्राप्त हुआ। आपको बता दे की श्री राम मन्दिर ट्रस्ट ने प्रधान पुजारी समेत, अन्य पुजारियों के लिए विज्ञापन देकर आवेदन बुलाए थे। ये विंध्य समेत पूरे मध्यप्रदेश के लिए गौरवान्वित करने वाला क्षण है।

विकसित भारत यूथ वर्कशॉप लॉन्च, पीएम मोदी ने कहा-देश क्वांटम जंप लगाने जा रहा: मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज विकसित भारत 2047: युवाओं की आवाज योजना को लॉन्च किया। पीएम ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए देशभर के राजभवनों में आयोजित वर्कशॉप में यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर और संस्थान-प्रमुखों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ये भारत के इतिहास का वो कालखंड है जब देश क्वॉन्टम जंप (तेजी से बदलाव) लगाने जा रहा है। हमारे इर्दगिर्द ही ऐसे अनेक देशों के उदाहरण हैं, जिन्होंने एक तय समय में ऐसा ही क्वॉन्टम जंप लेकर खुद को विकसित बना लिया है। देश की युवाशक्ति को दिशा देने का दायित्व जिन साथियों पर है, उनको आप एक मंच पर लाए हैं। शिक्षण संस्थानों की भूमिका व्यक्ति निर्माण की होती है और व्यक्ति निर्माण से ही राष्ट्रनिर्माण होता है। विकसित भारत योजना का उद्देश्य भारत की आजादी के 100 साल पूरे होने पर देश को विकसित राष्ट्र बनाना है। इस लक्ष्य को पूरा करने में युवाओं की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी हो। इसके लिए देश भर में तमाम वर्कशॉप आयोजित की जाएंगी। जिसमें युवा हिस्सा लेंगे।

शिष्टाचार बैठक हुई

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय में विधायक दल की बैठक से पहले पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, पर्यवेक्षकगण हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. के लक्ष्मण एवं पार्टी की राष्ट्रीय सचिव सुश्री आशा लाकड़ा के साथ मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान, पूर्व केंद्रीय मंत्री व विधायक नरेंद्र सिंह तोमर, प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शिष्टाचार बैठक में शामिल हुए।

मध्यप्रदेश के नये मुख्यमंत्री का फैसला थोड़ी देर में

पर्यवेक्षकों ने की सीएम शिवराज से मुलाकात, सभी पहुंचे बीजेपी कार्यालय, कोर ग्रुप की बैठक

भोपाल। मध्यप्रदेश का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, इसका फैसला बहुत जल्द हो जाएगा। प्रदेश भाजपा कार्यालय में पार्टी के विधायक दल की बैठक होगी, जिसमें प्रदेश के नए मुखिया के नाम पर मुहर लग जाएगी। इस बैठक के लिए पर्यवेक्षक के रूप में हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, डॉ. के. लक्ष्मण (राष्ट्रीय अध्यक्ष, ओबीसी मोर्चा) और आशा लकड़ा (राष्ट्रीय सचिव भाजपा) प्रदेश भाजपा कार्यालय पहुंच चुके हैं।

प्रदेश भाजपा कार्यालय जाने के पूर्व तीनों पर्यवेक्षक सीएम हाउस पहुंचे, जहां उन्होंने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की। इधर नरसिंहपुर विधायक प्रह्लाद पटेल के बंगले की सुरक्षा बढ़ा दी गई है, सुबह से उनसे मिलने वालों की भीड़ लगातार बढ़ रही है। सूत्रों का दावा है कि विधायक दल की बैठक से पहले कोर ग्रुप की बैठक होगी। इसमें संगठन के बड़े नेता, केंद्रीय पर्यवेक्षक और वरिष्ठ विधायक मौजूद रहेंगे। इस दौरान केंद्रीय नेतृत्व का संदेश उन्हें दे दिया जाएगा। बताया जाता है कि इस बैठक में पार्टी की रणनीति का खुलासा हो जाएगा। इसके बाद विधायकों को सूचित किया जाएगा।

पर्यवेक्षक सीएम हाउस पहुंचे, वहां शिवराज सिंह चौहान ने उनका स्वागत किया। इससे पहले पर्यवेक्षकों का भोपाल एयरपोर्ट पर स्वागत किया गया। सूत्रों का कहना है कि पर्यवेक्षक पहले विधायकों से वन-टू-वन चर्चा करेंगे। फिर चार बजे बैठक शुरू होगी। के लक्ष्मण ने भोपाल के लिए रवाना होने से पहले कहा कि हम विधायकों से चर्चा कर रिपोर्ट तैयार करेंगे। उसे केंद्रीय नेतृत्व को सौंपा जाएगा। फैसला आलाकमान लेगा।

विधायकों का पहुंचना जारी

बता दें कि अब तक भाजपा के प्रदेश कार्यालय में नरेंद्र सिंह तोमर, प्रहलाद पटेल समेत करीब 40 विधायक पहुंच चुके हैं, रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुका है। भोजन के बाद सभी विधायकों का समूह फोटो होगा, जिसके लिए सभी 163 विधायकों को मौजूद रहने के निर्देश हैं। थोड़ी देर में पर्यवेक्षक भी भाजपा के प्रदेश कार्यालय पहुंच जाएंगे।

वीडी शर्मा बोले- हम राज्य के लिए सीएम चुनेंगे

प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा विधानसभा चुनाव सेमी फाइनल पोल था, जिसमें दिखाया गया कि 2024 में पीएम मोदी एक बार फिर पूर्ण बहुमत से जीतेंगे। पर्यवेक्षक आ रहे हैं और हम राज्य के लिए सीएम चुनेंगे

तोमर सबसे पहले आए, सिंधिया अभी दिल्ली में

नरेंद्र सिंह तोमर सबसे पहले भाजपा कार्यालय पहुंचे। वहीं, दूसरी ओर प्रहलाद पटेल के बंगले पर समर्थकों की भीड़ लगी हुई है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया फिलहाल नई दिल्ली में हैं। उनके ऑफिस से बताया गया है कि 4:30 बजे तक आधिकारिक मीटिंग में शामिल होने का शेड्यूल है।

भाजपा सांसदों का संसद परिसर में प्रदर्शन

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र का आज 11 दिसंबर को छठा दिन है। भाजपा सांसदों ने संसद परिसर में तख्तियां लेकर प्रदर्शन किया। इसमें झारखंड के कांग्रेस सांसद धीरज साहू के घर 300 करोड़ कैश मिलने का विरोध जताया। वहीं, संसद में आज महुआ मोइत्रा के मुद्दे पर भी हंगामा हो सकता है। लोकसभा में विपक्ष एथिक्स कमेटी की रिपोर्ट को पढ़ने के लिए समय नहीं देने की बात को प्रमुखता से उठा सकता है। पिछली बैठक (8 दिसंबर लोकसभा) में महुआ मोइत्रा पर लगे आरोपों पर एथिक्स कमेटी की रिपोर्ट पेश हुई थी। इसके बाद ज्ञस्ष्ट नेता महुआ मोइत्रा की सांसदी खत्म होने का प्रस्ताव पेश हुआ था और पास भी हो गया था।

जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा जल्द बहाल हो: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा जल्द बहाल होना चाहिए। यहां चुनाव के लिए भी जल्द से जल्द कदम उठाए जाएं। उन्होंने चुनाव आयोग को निर्देश देते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर में 30 सितंबर 2024 से पहले विधानसभा चुनाव सुनिश्चित किए जाएं।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अनुच्छेद 370 हटाने के केंद्र सरकार के फैसले पर अपना निर्णय दिया। पांच सदस्यीय संविधान पीठ की तरफ से इस मामले में तीन अलग-अलग निर्णय लिए गए। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने फैसले को पढ़ते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का केंद्र सरकार का फैसला बरकरार रहेगा। इसके साथ ही उन्होंने याचिकाकर्ताओं के उन तर्कों को भी खारिज कर दिया, जिसमें जम्मू-कश्मीर से राज्य का दर्जा छिनने और उसे केंद्र शासित प्रदेश बनाने का विरोध किया गया था। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णय में जम्मू-कश्मीर के आगे का रोडमैप भी बताया।

चीफ जस्टिस बोले- केंद्र के हर फैसले को कोर्ट में चुनौती नहीं दे सकते- सीजेआई ने कहा कि केंद्र की तरफ से लिए गए हर फैसले को कोर्ट में चुनौती नहीं दी जा सकती। ऐसा करने से अराजकता फैल जाएगी। अगर केंद्र के फैसले से किसी तरह की मुश्किल खड़ी हो रही हो, तभी इसे चुनौती दी जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं की यह दलील खारिज कर दी कि राष्ट्रपति शासन के दौरान केंद्र ऐसा कोई फैसला नहीं ले सकता, जिसमें बदलाव न किया जा सके।

आश्वस्त दिखते शिवराज, पर क्या किसी और के सिर सजेगा ताज?

सुरेश तिवारी

भोपाल। मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के सभी नवनिर्वाचित विधायकों की आज शाम भोपाल में होने वाली बैठक में यह फैसला हो जाएगा की मध्य प्रदेश का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा! राजनीतिक पंडितों का आकलन है कि शिवराज सिंह चौहान जिस तरह अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर रोज प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं, इससे वे आश्वस्त दिखाई दे रहे हैं! ऐसे में क्या पार्टी उन्हें फिर एक मौका देगी या किसी और के सिर सजेगा सीएम का ताज! यह सस्पेंस शाम को भाजपा प्रदेश कार्यालय में होने वाली बैठक के बाद ही खत्म होगा। इस बैठक में पार्टी हाईकमान द्वारा नियुक्त तीन पर्यवेक्षक मनोहर लाल खट्टर मुख्यमंत्री हरियाणा, डॉ के लक्ष्मण राष्ट्रीय अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग मोर्चा और आशा लाकड़ा राष्ट्रीय सचिव मौजूद रहेंगे।

मिली जानकारी के अनुसार अगले कुछ महीनो में होने वाले लोकसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा हाईकमान मध्य प्रदेश को लेकर कोई नया प्रयोग करेगा, ऐसा लगता नहीं है! फिर भी मोदी और शाह की रणनीति के बारे में कुछ भी कहा नहीं जा सकता। इस बीच जिस तरह शिवराज सिंह चौहान लगातार मध्य प्रदेश मैं कमलनाथ और दिग्विजय सिंह के गढ़ सहित विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं, उससे लगता है कि वे स्वयं आश्वस्त हैं और शायद इसीलिए उन्होंने चुनाव के बाद दिल्ली जाना भी उचित नहीं समझा। शिवराज लाड़ली बहना योजना को लेकर जिस तरह के बयान लगातार दे रहे हैं, उससे भी लगता है कि वे खुद की स्थिति को लेकर बहुत उत्साहित हैं।

संभव है कि मोदी मैजिक और 'लाडली बहना' फार्मूले से विधानसभा चुनाव में भाजपा को आसमान फाड़ सफलता मिली, उसे केंद्रीय नेतृत्व लोकसभा चुनाव में भी आजमाना चाहता है। उसके लिए शिवराज सिंह से बेहतर चेहरा कोई और नहीं हो सकता। जिस तरह से शिवराज की आश्वस्ति नजर आ रही है, उससे लगता है कि उन्हें पता है कि आज शाम क्या होने वाला है! यह भी कहा जा रहा कि शिवराज सिंह ने इमोशमली भी केंद्रीय नेतृत्व को इस बात के लिए मजबूर कर दिया कि वे उनके अलावा किसी और के नाम पर विचार करने को लेकर गंभीरता से सोचें।

शिवराज की अपनी अलग राजनीतिक शैली

शिवराजसिंह की राजनीतिक शैली ऐसी है जिसमें वे कभी दबाव की राजनीति नहीं करते। बल्कि ऐसे हालात पैदा करते हैं कि पार्टी नेतृत्व उनके पक्ष में फैसला करने के लिए बाध्य हो जाता है। अभी भी वे इसी फार्मूले पर चल रहे हैं। पार्टी के फैसले को सर्वोपरि बताना, लॉबिंग के लिए दिल्ली जाने से इंकार, खुद ही लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाना और सभी 29 सीटें जीतने के दावे के साथ ये कहना कि चुनाव के बाद मोदीजी को 29 फूलों का हार पहनाऊंगा। इसके विपरीत राजस्थान में वसुंधरा राजे केंद्रीय नेतृत्व पर दबाव बनाकर मुख्यमंत्री की कुर्सी हथियाना चाहती है। मीडिया में ऐसी खबरों का उछलना कि कई विधायक वसुंधरा राजे के साथ हैं और कांग्रेस के संपर्क में हैं, इससे हाईकमान पर दबाव बनाने की कोशिश हो रही है। जबकि, अपने खेमे के 98 विधायकों की जीत के बावजूद शिवराज ने कभी दबाव बनाने की कोशिश नहीं की। फिर मुख्यमंत्री बनना वे भी चाहते हैं, पर नेतृत्व का विश्वास जीतकर न कि दबाव डालकर। कुल मिलाकर जहां वसुंधरा दबाव की हार्ड राजनीति कर रही हैं वही शिवराज सॉफ्ट राजनीति के माध्यम से एक अलग संदेश दे रहे हैं।

फैसला विधायक दल का, पसंद मोदी-शाह की

बताया गया कि 163 सीटें जीतने से भाजपा पर भी जिम्मेदारी का भी बोझ बढ़ा है। कहा भले जा रहा कि केंद्रीय पर्यवेक्षक विधायकों की राय जानकर मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा करेंगे। लेकिन, सच ये है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह भेजे गए पर्यवेक्षकों को अपनी पसंद बता चुके हैं। इसलिए ये नहीं कहा जा सकता कि सब कुछ विधायकों की पसंद से तय होगा। विधायक भी मोदी और शाह की पसंद से अलग कोई फैसला करेंगे, ऐसे आसार संभव ही नहीं हैं।

बताया गया कि केंद्रीय पर्यवेक्षकों को तय फार्मूलों के साथ भोपाल भेजा गया है। इसलिए कहा जा रहा है कि मुख्यमंत्री का नाम चौंकाने वाला हो सकता है। शिवराज यदि मुख्यमंत्री बनते हैं तो भी नाम चौंकाएगा, कोई और बनता है तो भी। दिल्ली दरबार को सब पता ही है कि मुख्यमंत्री की दौड़ में सबसे आगे कौन खड़ा है। चुनाव नतीजे आने के बाद भाजपा आलाकमान ने मुख्यमंत्री के नाम को लेकर कई विकल्पों पर विचार किया। उसके बाद नाम तय करके पर्यवेक्षकों को इशारा कर दिया गया।

बताया गया कि वहीं से उप मुख्यमंत्री का फार्मूला भी निकला, जिस पर अमल होना तय है। छत्तीसगढ़ जैसे छोटे राज्य में भी पार्टी ने मुख्यमंत्री के साथ दो उप मुख्यमंत्री बनाना तय किया, इससे इस संभावना को बल मिला है कि मध्यप्रदेश में भी यही प्रयोग दोहराया जाएगा। दो उप मुख्यमंत्री का फार्मूला जाति समीकरण के हिसाब से तय किया जाएगा। यह भी कहा जा रहा कि दो में से एक उप मुख्यमंत्री कोई महिला भी हो सकती है। इसलिए कि शिवराज सरकार की जिस 'लाड़ली बहना योजना' का फ़ायदा विधानसभा चुनाव में मिला, उसे पार्टी लोकसभा में भी भुनाने का मौका नहीं चुकेगी।

अभी तक देखा गया है कि भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व प्रयोग करने से पीछे नहीं हटता। छत्तीसगढ़ में भी सारी संभावनाओं को किनारे करते हुए एक आदिवासी नेता को मौका दिया गया। इसलिए कहा नहीं जा सकता कि तय फॉर्मूले के तहत वैसा ही होगा, जैसा सोचा और समझा जा रहा है। यदि पार्टी ने गुजरात की तरह कोई प्रयोग किया तो मुख्यमंत्री से मंत्री तक सभी नए चेहरे होंगे। यदि ऐसा कुछ होता है तो प्रहलाद पटेल, ज्योतिरादित्य सिंधिया या कैलाश विजयवर्गीय को जिम्मेदारी दी जा सकती है। दो उप मुख्यमंत्रियों में एक ऊंची जाति का और एक दलित या आदिवासी हो सकता है। यह भी संभव है कि किसी आदिवासी महिला विधायक को यह मौका मिल जाए।

छत्तीसगढ़ की तरह यहां भी दो उप मुख्यमंत्री

शिवराज सिंह को फिर मुख्यमंत्री बनाया जाता है तो उनके साथ दो उप मुख्यमंत्री (एक सवर्ण और एक दलित / आदिवासी) बनाए जा सकते हैं। तब प्रहलाद पटेल और कैलाश विजयवर्गीय को विधानसभा अध्यक्ष या प्रदेश अध्यक्ष बनाकर संतुलन बनाए जाने का फार्मूला है। वीडी शर्मा को केंद्र में मंत्री बनाने की भी चर्चा है।

उप मुख्यमंत्री के लिए ब्राह्मण समुदाय से गोपाल भार्गव, राजेंद्र शुक्ला, राकेश सिंह और दलित / आदिवासी वर्ग से निर्मला भूरिया, जगदीश देवड़ा, तुलसीराम राम सिलावट और ओमप्रकाश धुर्वे के नाम पर चर्चा हो रही हैं। लेकिन, ये सारे राजनीतिक कयास हैं। आज शाम सारे पत्ते खुल जाएंगे कि किस नेता के हाथ क्या आने वाला है। क्योंकि, होगा वही जो नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने पहले से तय किया है और पर्यवेक्षकों को उसका इशारा कर दिया।

राजनीतिक स्थिति जो भी हो, मुख्यमंत्री को लेकर सस्पेंस आज शाम को खत्म हो जाएगा। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा की और से सभी विधायकों को भाजपा विधायक दल की बैठक में उपस्थित रहने के लिए आमंत्रण जारी किया गया है। बैठक में पार्टी के विधायक दल का नेता यानी भावी मुख्यमंत्री का चयन होगा। प्रदेश के भाजपा महामंत्री और प्रदेश कार्यालय प्रभारी भगवानदास सबनानी द्वारा जारी इस आमंत्रण पत्र में कहा गया है कि सभी विधायक अनिवार्य रूप से उपस्थित रहे। यह भी सलाह दी गई है कि बैठक के पूर्व मीडिया को प्रतिक्रिया देने से बचे।

इस संबंध में जारी पत्र में बताया गया है कि दोपहर 1 से 3 बजे तक विधायकों का पंजीयन और भोजन होगा। अपरान्ह साढे 3 बजे विधायक दल के सदस्यों की समूह फोटो होगी और 3:50 बजे से विधायक दल की बैठक शुरू हो जाएगी। उसी में तय होगा कि अगले 5 साल के लिए प्रदेश की कमान किसके हाथ में होगी!

नगर निगम ने विद्युत विभाग का नहीं चुकाया बकाया, उपनगर में छाया अंधेरा

एप्रोच मार्गो व आवासीय कालोनियों की स्ट्रीट लाइट तीन दिन से बंद, रहवासी परेशान

संत हिरदाराम नगर। नगर निगम और विद्युत विभाग के आपसी तालमेल नहीं होने के कारण रहवासियों को परेशान होना पड़ रहा है। जहां नगर निगम द्वारा बकायदारों से वसूली की जा रही है उपनगर में करदाताओं को नोटिस भी भेजा जा रहा है वहीं नगर निगम ने खुद विद्युत विभाग की बकाया राशि जमा नहीं की है। राशि का भुगतान नहीं करने पर विद्युत विभाग ने एप्रोच मार्गो सहित आवासीय कॉलोनियों में लगी स्ट्रीट लाइटों के कनेक्शन को काट दिया है जिससे मार्गो व आवासीय कालोनियो में विगत तीन दिन से अंधेरा पसरा हुआ है।

जानकारी के अनुसार, पूरे भोपाल में लाइटे बन्द की गई है वहीं उपनगर की अगर बात करें तो यहां पर भी शाम को जलने वाली स्ट्रीट लाइटें नहीं जल पाई है सूत्र बताते है कि संतनगर जोन से ही नगर निगम को बकाया राशि जमा करनी है मार्च से राशि जमा नहीं होने पर विद्युत विभाग को वरिष्ठ अधिकारियों से मिले निर्देशों के बाद स्ट्रीट लाइट के कनेक्शन को काट दिया गया है। नगर निगम द्वारा राशि का भुगतान नहीं करना आम नागरिकों को भारी पड़ गया है। संत हिरदाराम नगर की कॉलोनियों में अंधेरा छाया हुआ है जिससे रहवासियों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शाम होते ही बच्चों सहित महिलाओं को भी आवागमन में परेशानी होने लगी है।

नवनिर्वाचित विधायक रामेश्वर शर्मा संत नगर में लाल साई से आशीर्वाद लेने पहुंचे

भोपाल। हुजूर क्षेत्र के नवनिर्वाचित विधायक रामेश्वर शर्मा संत नगर में वेदांत संत लाल साई से आशीर्वाद लेने पहुंचे। इस अवसर पर लाल साइ ने कहा कि मैं तो सनातन का साधक रहा हूं और हमेशा रहूंगा और हम सब भी यह प्रण ले कि सनातन धर्म के प्रति अपने निष्ठा को बनाए रखेंगे। उन्होंने रामेश्वर शर्मा की सक्रियता की तारीफ की। इस अवसर पर रामेश्वर शर्मा ने कहा कि मैं वेदांत संत लाल साइ और संत हिरदाराम नगर की जनता का बेहद शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने मुझे इतना समर्थन दिया आप मुझे जो भी काम जो भी समस्या बताएंगे मैं निश्चित तौर पर उनका समाधान करने की कोशिश करूंगा। इस अवसर पर रामेश्वर शर्मा के साथ जिला उपाध्यक्ष राम बंसल, मंडल अध्यक्ष कमल विधानी, महेश खटवानी, किशन अच्छानी, कैलाश आसुदनी, लविन मंजु, मनसुखानी, जगदीश आसवानी, शेट्टी चंदनानी, मोहन लालवानी, राजू थावणी, विनय रावत, पृथ्वी राज त्रिवेदी, सोनू रायचंदानी उपस्थित थे।

सरकारी कार्य में बाधा डालने वाले को 6 माह की जेल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

शासकीय कार्य में बाधा डालने सहित कर्मचारी से दुर्व्यवहार करने के मामले में कोर्ट ने एक आरोपी का दोषी करार देते हुए 6 माह के सश्रम कारावास सहित पॉच सौं रुपये के अर्थदंड की सजा से दण्डित किये जाने का आदेश सुनाया है। यह फैसला न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी मृदुल लटौरिया की कोर्ट ने दियो है।

लोक अभियोजक से मिली जानकारी के मुताबिक घटना 4 दिसंबर 2015 की है मामले में फरियादी रमाशंकर ने टीटी नगर थाने में शिकायत करते हुए बताया था कि वह सूचना मिलने पर अधिकारियो द्वारा सुलभ कॉम्प्लेक्स बाणगंगा में अवैध रुप से लाइन डालकर लिये गये विद्युत कनेक्शन को काटने के लिए गया था। जब वह अपने साथियों के साथ वहॉ पहुंचा तब बाणगंगा में रहने वाले आरोपी अब्दुल हसन ने कर्मचारियों को लाइन काटने के दौरान अपशब्द कहे जब उसे समझाइश देने का प्रयास करते हुए कहा गया की अवैध रुप से लिया गया कनेक्शन काटा जायेगा। इस पर वह भड़क गया और लाइन इंस्पेक्टर के साथ झूमाझटकी करते हुए जान से मारने की धमकी देने लगा।

नवनिर्वाचित विधायक जगदीश देवड़ा का जीनगर समाज ने किया स्वागत

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

जीनगर ज्योति राष्ट्रीय मंच के संयोजक भगवान दास ढालिया जीनगर सभा के कार्य. प्रदेश अध्यक्ष गोवर्धन आसेरी समाज अध्यक्ष अजय पवार, शहीद बीरबल ढालिया जन कल्याण परिषद अध्यक्ष अशोक सांकले, बजरंग लाल चौहान, प्रेम पवार, देवेंद्र चौहान,घनश्याम पवार, महेश डाबी मोती ने राजस्थानी परंपरा में आन बान और शान के प्रतीक साफा पहना और मिष्ठान खिलाकर स्वागत सत्कार किया संयोजक भगवान दास ढालिया ने मल्हारगढ़ विधान सभा से ऐतिहासिक रूप से विजयश्री का वरण कर सातवीं बार मध्य प्रदेश की विधानसभा में उपस्थिति दर्ज करवाने पर कहा कि निश्चित रूप से यह जीत जगदीश देवड़ा जी की कर्मठता, कार्य कुशलता, जन हितैषी कार्यों और लोकप्रियता की जीत हे इस अवसर पर श्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि स्वागत से अभिभूत हु सभी के विश्वास से और अधिक ऊर्जा से कार्य करने की प्रेरणा मिलती है पदाधिकारीयों ने सरकार और संगठन में जीनगर समाज को उचित स्थान की मांग भी देवड़ा जी से की इस अवसर पर सफाई कामगार आयोग के पूर्व अध्यक्ष गंगा राम घोसरे, मुरली डाबी, मनोहर पवार, रमेश निर्वाण,बंटू चौहान, प्रकाश डाबी, प्रदीप पवार, शुभम चौहान,धीरज सिसोदिया आदि उपस्थित थे

400 जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को स्वेटर और शिक्षिकाओं को शाल वितरित

संत हिरदाराम नगर। सेवा भारती महानगर और सांई जन कल्याण समिति द्वारा गांधीनगर महात्मा गांधी दिव्यांग छात्रावास व करोंद कृषक नगर केंद्र के 21 संस्कार केंद्रों के 400 जरूरतमंद छात्र-छात्राओ को सेवानिवृत न्यायाधीश और सेवाभारती द्वारा संचालित विधि एवं परामर्श आयाम के प्रांतीय अध्यक्ष शिव मंगल सिंह और मंडल अध्यक्ष अमित जैन तडेया द्वारा सर्दी से बचाव हेतु बच्चों को जैकेट, गर्म स्वेटर व संस्कार केंद्र की महिलाओं को गर्म शाल वितरित किया गया। सेवा भारती महानगर के मीडिया प्रभारी भगवानदास ढालिया ने बताया कि संस्था निरंतर जरूरतमंदो की शिक्षा और स्वास्थ्य और सामाजिक समरसता के लिए सतत कार्यशील है। इस अवसर पर सेवा भारती विदिशा विभाग के संयोजक राजेश भार्गव, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अविनाश सोनी, सचिव चेतन पटेल, महिला मंडल संयोजका दीपाली गुप्ता, मीरा कांटे वाला, उर्मिला राजपूत, मुकेश अवस्थी, विजय गुप्ता, दिनेश पवार, और संस्कार केंद्रों की निरीक्षिकाएं एवं शिक्षिकाएं और समाज के लोग उपस्थित थे।

स्कूल परिसर में शराब पीने वाला शिक्षक संस्पैंड

भोपाल । राजधानी के नजदीक बैरसिया ब्लाक क्षेत्र में ग्राम उमरिया की प्राथमिक शाला परिसर में एक शिक्षक के शराब पीकर हंगामा करने और देशी कट्टा लहराने का एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने शिक्षक को सस्पेंड कर दिया है। जानकारी के मुताबिक जिला शिक्षा अधिकारी को मामले की लिखित शिकायत करते हुए बताया गया था की स्कूल में दोपहर के समय प्राथमिक शिक्षक बृजमोहन साहू स्कूल परिसर में शराब पी रहा था, उसके पास देशी कट्टा भी था। जिस समय वह हंगामा कर रहा था, उस समय स्कूली बच्चे भी खेल रहे थे। जिला शिक्षा अधिकारी अंजनी कुमार त्रिपाठी ने जानकारी लगने ही सहायक संचालक को जॉच के निर्देश दिये थे। जांच रिपोर्ट के बाद शिक्षक को सस्पेंड कर दिया गया है।

दोस्त से प्रताड़ित होकर आत्महत्या की थी युवक ने, तालाब में मिली थी लाश

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

कोहेफिजा थाना पुलिस ने करीब ढाई महीने पहले युवक द्वारा बड़े तालाब में छलांग लगाकर खुदकुशी किये जाने की घटना मे जॉच के बाद मृतक के दोस्त के खिलाफ आत्महत्या के लिये उकसाने का मामला कायम किया है। मर्ग जॉच में सामने आया कि आरोपी मृतक को झूठे मामले में फसाने की धमकी दे रहा था।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बीती 1 अक्टूबर की दोपहर सूचना मिलने पर वीआईपी रोड स्थित बड़े तालाब से एक युवक का शव बरामद किया गया था। जॉच के दौरान पता चला कि मृतक मूल रुप से लांजी जिला बालाघाट का रहने वाला 33 वर्षीय मिथलेश कुमार पिता भुवनेश किशोर था।

उसकी बहन कोहेफिजा इलाके में स्थित दाता कालोनी में रहती है। मिथलेश अपनी मॉ के साथ बहन के घर मेहमान आया था। दाता कॉलोनी में मां को छोड़ कोलार में रहने वाले अपने दोस्त आदर्श के फ्लैट पर चला गया। करीब एक सप्ताह तक वह उसके साथ रहा। उस दौरान आदर्श और मिथलेश ने अपने एक अन्य दोस्त आकाश से उसकी कार ली थी। बाद में यह कार आदर्श वापस नहीं लौटा रहा था। इस पर आकाश ने मिथलेश को फोन लगाकर अपनी कार आर्दश से वापस दिलाने का कहा। मिथलेश ने आदर्श से कहा कि वह आकाश की कार वापस कर दें। लेकिन आदर्श ने कार वापस करने से इंकार करते हुए मिथलेश से कहा कि मेरे पास तेरा एक लड़की के साथ आपत्तिजनक स्थिती का वीडियो है। मैं जो कह रहा तु वैसा कर वरना तुझे झूठे केस में फंसा दूंगा। आर्दश की धमकी के बाद अपने और परिवार की समाज में बदनामी को लेकर मिथलेश काफी डर गया और मानसिक तनाव में रहने लगा था। साथ ही उसे यह डर भी था कि यदि उसके दोस्त ने कार वापस नहीं मिलने पर पुलिस में शिकायत की तब भी वह फंस जायेगा। वही आदर्श कार वापस न करते हुए उसे झूठे केस में फंसाने की धमकी लगातार दे रहा था। इसके साथ ही पड़ताल के दौरान पुलिस को जानकारी लगी कि मृतक ने एक सुसाइड नोट अपने एप ग्रुप पर भेजा था। उसमें मृतक ने आत्महत्या के लिए कोलार निवासी आदर्श को जिम्मेदार बताया था। इसी प्रताड़िना के कारण उसने तालाब में कूदकर जान दी थी। पुलिस ने सुसाइड नोट बरामद के आधार पर जांच के बाद आदर्श के खिलाफ मामला कायम कर लिया है।

निगम आयुक्त ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था का किया अवलोकन

भोपाल। निगम आयुक्त फ्रैंक नोबल ए ने शहर की साफ-सफाई व्यवस्था को और अधिक बेहतर ढंग से सुनिश्चित कराने तथा कचरा वाहनों के समय से संचालन व्यवस्था को और बेहतर बनाने के दृष्टिगत शहर क विभिन्न क्षेत्रों में साफ-सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया और सड़कों एवं खुले स्थानों पर कचरा एकत्र न होने देने, साफ सफाई व्यवस्था को और अधिक बेहतर ढंग से सुनिश्चित कराने तथा कचरा वाहनों के समय से संचालन को और अधिक चुस्त-दुरूस्त बनाने के दृष्टिगत कचरा वाहनों की सतत रूप से निगरानी करने, सार्वजनिक स्थानों पर कचरा डालकर आग लगाने व पर्यावरण को दूषित करने वालों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करने, क्षतिग्रस्त साइकिल रिक्शों की मरम्मत कराकर कचरा कलेक्शन कार्य में लगाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान निगम के अन्य अधिकारी मौजूद थे। निगम आयुक्त ने बिट्टन मार्केट, शाहपुरा, शैतान सिंह चौराहा, गुलमोहर कालोनी, त्रिलंगा कालोनी, 1100 क्वाटर, ई-8 भरत नगर रोड, रोहित नगर, बावड़ियाकलां, रानी कमलापति स्टेशन रोड, डीबी मॉल, अरेरा हिल्स, जिंसी रोड, बरखेड़ी रोड, पातरा, सेन्ट्रल लायब्रेरी रोड, काली मंदिर, डी मार्ट जहांगीराबाद, पीएचक्यू, रोशनपुरा, रंगमहल, जवाहर चौक, भदभदा रोड, नेहरू नगर एवं लिंक रोड नं. 03 आदि क्षेत्रों में साफ-सफाई व्यवस्था का अवलोकन किया और साफ सफाई व्यवस्था हेतु किये जा रहे कार्यों के संबंध में जानकारी भी प्राप्त की। निगम आयुक्त ने जिंसी रोड स्थित टाटा मोटर्स के सामने रखे दो क्षतिग्रस्त साइकिल रिक्शों की मरम्मत कराकर उन्हें कचरा कलेक्शन कार्य में लगाने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त नोबल ने साफ-सफाई कार्य पर सतत रूप से निगरानी करने एवं सफाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने एवं अन्य खुले स्थानों पर कचरा एकत्र न होने देने, सड़कों आदि की सफाई उपरांत कचरे को तत्काल उठवाने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त नोबल ने निर्देशित किया कि सभी स्वास्थ्य अधिकारी, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी एवं दरोगा आपसी सामन्जस्य बनाकर काम करें और समय से कचरा उठवाना सुनिश्चित करें।

आहार को औषधि बनाएं, ना कि औषधि को आहार बनाएं: डॉ. गुलाब राय

संत हिरदाराम नगर। आरोग्य केन्द्र द्वारा 1 दिसंबर से 10 दिसंबर तक दस दिवसीय रोग निवारण एवं प्रशिक्षण मासिक शिविर का आयोजन किया गया हैं जिसका भव्य अनुभव समारोह आयोजित किया गया। शिविर की गतिविधियों पर डॉ. गुलाब राय टेवानी ने प्रकाश डालते हुए बताया कि इस शिविर में अलग-अलग स्थानों से साधक पहुंचे जिनका विभिन्न प्रकार की बीमारियों का उपचार किया गया। डॉ. गुलाब राय टेवानी ने बताया कि इस शिविर का उद्देश्य हैं कि कैसे आहार को औषधि बनाए, ना कि औषधि को आहार बनाए। जब आप प्राकृतिक चिकित्सा को अपनाते हैं तो आप जीवन में सदैव के लिए निरोग हो जाते हैं और जीवन में कभी रोग नहीं आता हैं। प्राकृतिक चिकित्सा और योग ऐसी पद्धति हैं जिससे आप कभी-भी रोग ग्रस्त नहीं हो सकते हैं। प्राकृतिक चिकित्सा को अपनाकर स्वयं को स्वस्थ रख सकते हैं। हमारा आहार ही हमारी औषधि हैं, इसलिए आहार ऐसा हो जो सुपाच्य, स्वादिष्ट, पौष्टिक व स्वास्थ्यवर्धक हो, इसलिए आहार में परिवर्तन करना बहुत जरूरी हैं। इन दस दिवसीय शिविर में लाभ हर एक साधक को मिलेगा। आगामी शिविर 12 दिसम्बर से 21 दिसम्बर को आयोजित किया जाएगा।

भोपाल। यूआईटी आरजीपीवी में एनसीसी का कार्यक्रम हुआ। इस अवसर पर प्रो उदय चौरसिया, प्रो मनीष अहिरवार (विभाग अध्यक्ष कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग), प्रो. कास्तूब दिवेदी इंचार्ज एनसीसी, प्रो राजीव पांडे, प्रो पियूष शुक्ला, प्रो राजू बारासकर आदि उपास्थि रहे।

इज्तिमे के चलते मार्ग रहेंगे परिवर्तित

भोपाल। इज्तिमा का आयोजन घासीपुरा ईटखेडी में किया जा रहा है। 11 दिसंबर सोमवार को दुआ की नमाज में प्रात: 6:00 बजे से पुराना शहर भोपाल से इज्तिमा स्थल की ओर आवागमन करने वाले मार्गों जैसे- मुबारकपुर से पटेल नगर नया वायपास, गांधीनगर से अयोध्या नगर बायपास, रतनागिरी, लाम्बाखेड़ा से करोंद भोपाल टाकीज, पीरगेट, मोती मस्जिद, रॉयल मार्केट, लालघाटी चैराहा, नादरा बस स्टेण्ड, भोपाल मुख्य रेल्वे स्टेषन, अल्पना तिराहा, भारत टाकीज, बोगदा पुल आदि क्षेत्रों में भारी संख्या में जनसमुदाय एवं वाहनों के सड़कों पर होने से अत्यधिक यातायात दबाव रहेगा । आमजन से अनुरोध है कि पुराने शहर व इज्तिमा स्थल की ओर आने-जाने हेतु अन्य वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें। राजा भोज एयरपोर्ट भोपाल/मुख्य रेल्वे स्टेशन भोपाल आवागमन- 2 भोपाल शहर से एयरपोर्ट की ओर जाने वाले वाहन भदभदा चैराहा, नीलबड़, रातीबड, झागरिया रोड से खजूरी बाायपास, मुबारकपुर बायपास होकर एयरपोर्ट की ओर आवागमन कर सकेगें।

समाज और सरकार की शुद्ध अंतकरणीय चेतना से बंदियों के नागरिक अधिकारों की सुरक्षा संभव : न्यायमूर्ति माहेश्वरी

मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग की पहल को न्यायमूर्तियों ने सराहा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति श्री जितेन्द्र कुमार माहेश्वरी ने कहा है कि समाज और सरकार की शुद्ध अंतकरणीय चेतना से बंदियों के नागरिक अधिकारों की सुरक्षा हो सकती है और वे देश के सभी मानव जैसे ही विकास में भागीदार हो सकते है। उन्होंने शासन को सुझाव दिया कि पायलट प्रोजेक्ट के रूप में किसी एक जेल को आदर्श रूप देकर बंदियों को सेहतमंद बनाकर उनके सभी मौलिक अधिकारों को अमल में लाया जा सकता है। न्यायमूर्ति श्री माहेश्वरी रविवार को प्रशासन और प्रबंधकीय अकादमी में मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग द्वारा अंतराष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस पर बंदियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा अधिकार मानव अधिकार विषय पर सेमीनार में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

माहेश्वरी सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर सेमीनार के उद्घाटन सत्र का शुभारंभ किया।उन्होंने महात्मा गांधी के विचारो को उद्धृत करते हुए कहा कि अपराधी भी मानव होता है और कुछ परिस्थितियां होती है जो समाज के उसी मानव को अपराधी बनाती है।हमे अपराधी नहीं अपराध से घृणा करना सिखाया गया है।उन्होंने कहा कि समाज और सभी जिम्मेवारो को मानव के अधिकारो के लिए सजग रहकर चेतना भाव से कार्य करना होगा। न्यायमूर्ति श्री माहेश्वरी ने कहा कि हमे एक सकारात्मक चेतना तंत्र विकसित करना होगा और उस पर अमल करके बंदियों को देश के विकास के लिए सहभागी मानव बनाना होगा। उन्होंने मध्यप्रदेश सहित अन्य जेल में वर्तमान की स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए बंदियों को सेहतमंद बनाने के लिए ठोस और सुनियोजित प्रयासों की जरूरत बताई। उन्होंने मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग की इस पहल के लिए सराहना भी की।

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर के न्यायमूर्ति सुजाय पाल ने विशिष्ट अतिथि के रूप में कहा कि नेल्सन मंडेला कहा करते थे कि किसी राष्ट्र की अच्छाई इस बात से परखी जाना चाहिए कि उसके बंदीगृह कैसे है।उन्होंने उपस्थित जनों से कहा कि दोषमुक्त या सजा पूरी कर चुके बंदी को समाज को अपनाने में भेद नहीं करना चाहिए। उन्होंने विध्वंस और सृजन को समझाते हुए लोगो से सभी मानवों को सामान्य रूप से अपनाने की अपील की।

उच्च न्यायालय ग्वालियर बेंच के न्यायमूर्ति संजीव एस कालगंवकर ने कहा कि जिला सत्र न्यायाधीश रहते हुए उन्होंने बंदियों के अधिकारो के हनन के कई गंभीर मामले देखे है और उन्हें ठीक भी करवाया है। उन्होंने कहा कि सुधार और नवाचार की हमेशा संभावना बनी रहती है। उन्होंने कहा कि बंदियों को मानव मानकर उनके मूलभूत अधिकार उन्हे देना ही चाहिए। उन्होंने आज के सेमीनार को बंदियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा अधिकार की दिशा में बीज रोपण बताते हुए कहा कि इसकी अच्छी अनुशंसाएँ बंदियों को अधिकार दे सकेंगी। सेमीनार की अध्यक्षता करते हुए मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष मनोहर ममतानी ने विषय की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पिछले 5 वर्षों में प्रदेश की जेलों में 900 से अधिक बंदियों की मृत्यु में से अधिकतर तो सामान्य थी पर कुछ स्वास्थ्य सेवाओ की कमी, समय पर उपचार न मिलने, रोग की पहचान नहीं होने और कुछ अवसाद के कारण हुई है जो गंभीर है।

मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने विधानसभा पहुंचकर पूर्ण की औपचारिकताएं

भोपाल। विधानसभा के प्रमुख सचिव अवधेश प्रताप सिंह के निर्देशानुसार नये माननीय सदस्यों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए आज अवकाश वाले दिन शनिवार को भी विधानसभा का स्वागत कक्ष खोला गया जिसमें कुल 12 सदस्य निर्वाचन प्रमाण पत्र लेकर विधानसभा पहुंचे। मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने विधानसभा पहुंचे तथा प्रमुख सचिव से सौजन्य भेंट की तथा प्रमुख सचिव ने उनका पुष्प गुच्छ से स्वागत किया। तत्पश्चात शुक्ल ने नवीन विधानसभा गठन संबंधी सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण कीं।

जनसंपर्क एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री शुक्ल के भोपाल आगमन पर

भोपाल। जनसंपर्क एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री राजेंद्र शुक्ल के भोपाल आगमन पर उनका अभिनंदन किया। उनको विधानसभा निर्वाचन में प्रचंड बहुमत पर विजयश्री की बधाई भी दी।

प्रो. अंसारी के निधन पर शोक व्यक्त किया

भोपाल। जनसंपर्क एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने प्रोफेसर अज़ीज़ अंसारी, पूर्व विभाग अध्यक्ष, उर्दू, शाकीय हमीदिया कॉलेज, भोपाल के निधन पर प्रोफेसर अंसारी के घर जा कर शोक संवेदना व्यक्त कीद्य मंत्री श्री शुक्ल ने प्रोफेसर अंसारी के लेखन और सामाजिक योगदान का उल्लेख कर उनको श्रद्धांजलि दी। दिवंगत प्रोफेसर अज़ीज़ अंसारी, फरहान अंसारी, हेड, रिलायंस इंडस्ट्रीज , मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ के पिता एवं लेखक और वरिष्ठ पत्रकार रशीद किदवई के ससुर थे। वरिष्ठ पत्रकार एन डी शर्मा, अनूप दत्ता, सुहैल अंसारी सहित परिवार के अन्य लोग मौजूद थे।

कैम्प लगाकर लक्षित और पात्र लाभार्थियों को आवश्यक सेवाएं सुलभ करायेंगे

भोपाल। विकसित भारत संकल्प यात्रा'' में नगरीय निकायों और ग्राम पंचायतों में कैम्प लगाकर सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं संबंधी लक्षित और पात्र लाभार्थियों को आवश्यक सुविधाएँ सुलभ कराने का महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान आयोजित होने वाले कार्यक्रम स्थलों पर स्वास्थ्य शिविर लगाये जा रहे हैं। इनमें सामान्य जाँच की सुविधा उपलब्ध है। कार्यक्रम स्थलों पर प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के हितग्राहियों के आवेदन भी प्राप्त किये जा रहे हैं। ऐसे किसान, पशुपालक, मछुआरे, जिनके पास क्रेडिट कार्ड नहीं हैं, उनके आवेदन लेने और संबंधित बैंकों से समन्वय कर क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराने की कार्यवाही भी की जा रही है। कैम्प में आधार कार्ड के अपडेशन का कार्य और विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को लाभ भी वितरित किया जा रहा है। यात्रा के दौरान कार्यक्रम स्थलों पर लगाये गये कैम्प में पेंशन योजनाओं के स्टॉल भी लगाये जा रहे हैं। इसमें वृद्धावस्था, विधवा और दिव्यांगजन पेंशन की जानकारी देने के साथ ही प्रकरणों के निराकरण की कार्यवाही की जा रही है।

कैलाश विजयवर्गीय ने की मुख्यमंत्री शिवराज सिंह से मुलाकात

भोपाल। पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने भारी बहुमत के साथ सरकार तो बना ली है, लेकिन सीएम के चेहरे को लेकर लगातार सस्पेंस बना हुआ है, हालांकि आज छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी की तरफ से सीएमके नाम की घोषणा कर दी गई है। छत्तीसगढ़ में विष्णु देव साय को मुख्यमंत्री बनाया गया है। हब मध्य प्रदेश और राजस्थान की बारी है, लेकिन इस बार एक से अधिक सीएम के दावेदार होने के चलते दिल्ली दरबार से भी फैसला नहीं हो पाया है।

20 साल में पहली बार ऐसा देखने को मिला है, जब आठ दिन से ज्यादा समय सीएम बनाने के लिए बीजेपी को लगे हैं। वहीं पुराना इतिहास देखा जाए तो जब भी समय लगा है जब परिवर्तन देखने को मिला है! इस बीच खबर आ रही है कि राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय जो कि सीएम के दावेदार भी माने जा रहे हैं। उन्होंने शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की है। बता दें कि, यह मुलाकात कई महीनो में काफी महत्वपूर्ण बताई जा रही है, क्योंकि सोमवार को विधायक दल की बैठक होना है और इसके बाद ही सीएम के नाम का अनाउंसमेंट कर दिया जाएगा। कुछ दिनों पहले प्रहलाद पटेल ने भी सीएम शिवराज से मुलाकात की थी, जो खुद सीएम के चेहरे है।

भारतीय भाषा दिवस पर सिंधी भाषा के संरक्षण पर विचार गोष्ठी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद (एनसीपीएसएल) भारत सरकार द्वारा रविवार को भारतीय भाषा दिवस के अवसर पर संत हिरदारामनगर में परिसंवाद और परिचर्चा का आयोजन किया गया। पैराडाइज पब्लिक स्कूल के सभाकक्ष में हुए कार्यक्रम में सिंधी भाषा के संरक्षण के लिए किए गए प्रयासों और नवीन सुझावों पर चर्चा हुई। श्री नंद सनमुखानी ने सिंधी की उप भाषाओं की जानकारी देते हुए बताया कि प्रांत के अभाव में भाषा के संरक्षण में बाधाएं सामने आई हैं। उनके वैकल्पिक उपाय खोज कर अमल किया जाना चाहिए। साहित्य अकादमी सम्मानित वरिष्ठ लेखक की खीमन यू मूलानी ने कहा कि सामाजिक संस्थाओं को अपने भवन का उपयोग सिंधी भाषा की कक्षाओं के लिए करना चाहिए। साहित्य के लिए युवाओं में रुचि जागृत करनी होगी। साहित्यकार भगवान बाबानी ने बताया कि भोपाल के उपनगर संत हिरदाराम नगर में भगवान कला केंद्र में वे सांय कालीन सिंधी शिक्षण कक्षाएं संचालित कर रहे हैं, जिनमें युवाओं की रुचि देखने को मिल रही है। सेवानिवृत्त अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री एम आर आसुदानी आईपीएस ने कहा कि नवीन शिक्षा नीति में त्रिभाषा फार्मूले के अनुसार प्राथमिक कक्षाओं में मातृभाषा के शिक्षण,प्रशिक्षण का प्रावधान है।इसका लाभ लिया जाना चाहिए। लेखक और साहित्य अकादमी भारत सरकार के सिंधी भाषा सलाहकार बोर्ड के सदस्य अशोक मनवाणी ने कहा कि भाषा के प्रति लगाव उत्पन्न करने के लिए युवाओं को सिंधी नाटक मंचन और अन्य कलाओं से जोडने की आवश्यकता है। गायक और कवि नारी लछवानी ने कहा कि आज युवाओं में उच्चारण दोष ठीक करने के लिए भी मार्गदर्शन की आवश्यकता है। श्री के टी दादलानी ने सिंधी भाषा की खूबियों की जानकारी दी। कार्यक्रम के उद्देश्य के संबंध में कविता इसरानी ने परिषद की ओर से अतिथि वक्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि महाकवि सुब्रमण्यम भारती जी की जयंती भारतीय भाषा दिवस के रूप में मनाई जाती है। इस अवसर पर रंगकर्मी सुरेश पारवानी, गुल पहलाजानी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। द्रोपदी चंदनानी,बल्लू चोइथानी और कन्हैया शेवानी ने कविताएं सुनाई।

सफल और भव्य रहा बनारस का अखिल भारतीय कवि सम्मेलन

भोपाल। महिला कल्याण समिति ढोरी,बोकारो द्वारा संचालित हिन्दी पत्रिका कहानिका द्वारा अखिल भारतीय कवि सम्मेलन वाराणसी यूपी, अखिल भारतीय कवि सम्मेलन बनारस यूपी, महामना मालवीय सभागार, काशी सीसेवा समिति,शाह नर्सिंग होम के ठीक सामने, रामकटोरा, नाटीईमली लहुराबीर, वाराणसी उत्तर प्रदेश मेंआयोजित किया गया। आयोजन काफी सफल और भव्य रहा। कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभ उद्घघाटन डॉक्टर चमद्रभाल सुकुमार अंतरराष्ट्रीय गजलकार एवम पूर्व जिला जज ने किया ।अतिथियों का स्वागत संयोजन सिद्धनाथ शर्मा सिद्ध, अध्यक्षता प्रख्यात कवि रामावतार पाण्डेय, एडवोकेट , पूर्व अध्यक्ष दी सेंट्रल बार एसोसिएशन वाराणसी,स्वागयाध्यक्ष प्रकाश कुमार श्रीवास्तव गणेश और मंच का संचालन संयुक्त रूप से सरिता सिंह गोरखपुर और इंद्रजीत तिवारी निर्भीक वाराणसी ने किया। मंच का संयोजन श्याम कुंवर भारती, प्रधान संपादक सह महासचिव महिला कल्याण समिति धोरी बोकारो ने किया। कवि सम्मेलन की शुरुआत अंशिका श्रीवास्तव ने सुंदर सरस्वती वंदना, गणेश वंदना अनामिका शर्मा अनु ने, देवी गीत श्याम कुंवर भारती और स्वागत गीत सुरभी जैन ने अपनी मधुर आवाज में किया। आयोजन में देश के कई राज्यों से कई वरिष्ठ और प्रतिष्ठित तथा नवोदित कवियों और कवियित्रीयो ने भाग लिया जिसमे मुख्य रूप से कुसुम सिंह अविचल कानपुर ने हम अपने देश की माटी को चंदन समझते हैं,स्वह्न पुष्पेंद्र कुमार अस्थाना पुष्प वाराणसी ने ये सियासत का क्या माहौल बना रखा है, गजलकार सिद्धनाथ शर्मा सिद्ध ने हम रहे ना रहे नाम छोड़ जाएगी, अशोक मिश्र मैथिल वाराणसी ने अईली तोहरी दुआरिया निहारे चरना , दिवाकर उपाध्याय रामगढ़, सिवान बिहार ने तूही जान हऊ,जिनिगी ई जान जइहा, श्याम कुंवर भारती, बोकारो झारखंड ने जहां बहे गंगा निर्मल धार ऊहे बाटे देशवा हमार भोजपुरी ओज कविता, चिंतित वाराणसी ने गजब का शेरआज हम सुनाएंगे उनको, पाण्डेय चिदानंद चिड्रूप ने मैं तो बेटी हूं तेरी, आर पी तिवारी रत्नेश बांदा ने मेरे बेटे पे मां तुझपे वारी रहे ,स्वह्न सुभाष चन्द्र वाराणसी ने फूल बनकर मुस्कुराना जिंदगी है,कवि इंद्रजीत तिवारी निर्भीक वाराणसी ने महंगाई है जितना किए दिल को छोटा, संगीता श्रीवासतवचाक पर जिंदगी के हमने बनाया दीप सपनो का ,दे. विभा प्रकाश लखनऊ ने कई जाबांज ऐसे है वतन को नाज है जिनपर , आशा झा सखी जबलपुर एमपी ने श्रृंगार रस,अंशिका श्रीवास्तव जौनपुर यूपी ने जीवन का सकून,रजनी कटारे हेम जबलपुर एमपी ने रब का फलसफा, सुरभी जैन सतना एमपी ने खिल उठा है गगन हंस रहा है चमन, राजबहादुर यादव राज जौनपुर,ने जिसे रखे हो दिल के किसी खजाने में, गिरिश पांडेय वाराणसी ने चलो यार हर हर महादेव, आशा साहनी मऊ यूपी ने सामयिक रचना ,बोलो सुनाई।

इंटरवेंशन नेफ्रोलॉजी पर कार्यशाला का आयोजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एम्स में नेफ्रोलॉजी विभाग द्वारा विभिन्न विशिष्टताओं के डॉक्टरों और भविष्य के डॉक्टरों के कौशल को मजबूत करने के लिए इंटरवेंशन नेफ्रोलॉजी पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला दो अलग-अलग सत्रों में आयोजित की गई। सुबह के सत्र में गुर्दे की बीमारी के रोगियों की विभिन्न बीमारियों के निदान और प्रबंधन के लिए की जाने वाली विभिन्न प्रक्रियाओं के बारे में व्याख्यान की एक श्रृंखला प्रस्तुत की गई और दोपहर के सत्र में प्रतिभागियों के लिए विभिन्न प्रक्रियाओं का सजीव प्रसारण भी किया गया। कार्यशाला हेतु आईसीएमआर इंडिया द्वारा अनुदान प्रदान किया गया है । कार्यशाला का उद्घाटन एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक और सीईओ प्रोफेसर (डॉ) अजय सिंह ने किया। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि डॉक्टरों के ज्ञान और कौशल के नियमित उन्नयन के लिए ऐसी कार्यशालाएँ आवश्यक हैं और उन्होंने कार्यशाला के स्तर को बढ़ाने पर जोर दिया। कार्यशाला के दौरान नेफ्रोलॉजी विभाग के डॉ. महेंद्र अटलानी ने दीर्घकालिक हेमोडायलिसिस के लिए वास्तविक समय अल्ट्रासाउंड निर्देशित किडनी बायोप्सी और ट्यून्ड वैस्कुलर कैथेटर प्लेसमेंट पर चर्चा की और लाइव प्रदर्शन किया, रेडियो डायग्नोसिस विभाग के डॉ. अमन कुमार ने क्रोनिक हेमोडायलिसिस कैथेटर खराबी के प्रबंधन पर चर्चा की, डॉ. गिरीश ने भट्ट ने तीव्र किडनी की चोट में तीव्र पेरिटोनियल डायलिसिस की भूमिका के बारे में चर्चा की और तीव्र पेरिटोनियल डायलिसिस का प्रदर्शन भी किया, जबकि क्रिटिकल केयर विभाग के डॉ. सौरभ सहगल ने नेफ्रोलॉजी और क्रिटिकल केयर में देखभाल अल्ट्रासाउंड के बिंदु पर चर्चा की और प्रदर्शन किया।

कार्यशाला में भोपाल के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों से पचास से अधिक डॉक्टर शामिल हुए। सभी सत्रों को दर्शकों ने बहुत सराहा और प्रक्रियाओं के लाइव प्रदर्शन को उत्कृष्ट बताते हुए अपने अनुभव भी साझा किए।

पूर्व छात्रों द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता का पथ कार्यक्रम आयोजित

भोपाल। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल के एलुमनाई सेल ने 9 दिसंबर, 2023 को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता का मार्ग कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह कार्यक्रम विशेष रूप से एम्स भोपाल के एमबीबीएस और बीएससी नर्सिंग छात्रों के लिए आयोजित किया गया, जिससे उन्हें प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए मार्गदर्शन मिला। इस कार्यक्रम में एमबीबीएस और बीएससी नर्सिंग दोनों के 140 से अधिक छात्रों नेभाग लिया। इस कार्यक्रम में मेडिकल और नर्सिंग दोनों धाराओं के प्रतिष्ठित रैंक धारकों का एक पैनल शामिल था, जिसमें डॉ. प्रिया माहेश्वरी, डॉ. उर्मिलेश कुमार, श्रीमतीलक्षसराह, डॉ. विकास मोहन शर्मा, डॉ. राधिका अग्रवाल, और सुश्री दीपिका साहू शामिल थीं। इन वक्ताओं ने अपने व्यक्तिगत अनुभव और तैयारी रणनीतियों को साझा किया जिसने उन्हें अपने-अपने क्षेत्रों में शीर्ष रैंक तक पहुंचाया। सम्मानित अतिथि प्रोफेसर रजनीश जोशी, डीन (शैक्षणिक) और डॉ. मनमोहन पटेल, एसोसिएट डीन (छात्रकल्याण) ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और उपस्थित लोगों के साथ अपने अनुभव साझा किये । कार्यक्रम का आयोजन एलुमनाई सेल के सदस्यों प्रोफेसर जॉन ए संतोषी, अध्यक्ष (पूर्व छात्र समन्वय समिति), डॉ रेखा लालवानी, डॉ अभिजीत पाखरे, डॉ शिल्पा काओरे, डॉ शक्ति कुमार यादव, श्री कुमारस्वामी ए पी और एलुमनाई परिषद द्वारा किया गया था। सुश्री शिवानी माहोर ने कुशलतापूर्वक इस कार्यक्रम का संचालन किया। पैनल चर्चा के दौरान उपस्थित प्रतिभागियों को चर्चा में शामिल होने, व्यावहारिक सुझाव प्राप्त करने और अपनी परीक्षा की तैयारी को बढ़ाने के लिए मूल्यवान अंतर्दृष्टि को आत्मसात करने का अवसर मिला। इस आयोजन ने चिकित्सा क्षेत्र में निपुण पेशेवरों से सीखने के लिए एक प्रभावशाली मंच के रूप में कार्य किया, जिससे स्वास्थ्य देखभाल शिक्षा में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए एम्स भोपाल की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाया गया।

एम्स में 10 घंटे में की सफलतापूर्वक अग्नाशय कैंसर सर्जरी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एम्स में ऑन्कोलॉजी सर्जिकल टीम ने 10 घंटे चली मैराथन सर्जरी के बाद 45 वर्षीय एक मरीज के अग्नाशय के ट्यूमर को सफलतापूर्वक निकाला। मरीज को पिछले चार महीनों से ऊपरी पेट में बाएं तरफ लगातार पेट दर्द की शिकायत थी। मरीज ने अन्य अस्पतालों में भी इसकी जांच कराई थी और उसे बताया गया कि पित्ताशय के कैंसर के कारण यह समस्या हो रही है। बाद में उस मरीज ने जब एम्स, भोपाल की सर्जिकल ऑन्कोलॉजी ओ पी डी में जांच कराई तो पता चला कि उसे पित्ताशय का कैंसर नहीं बल्कि अग्न्याशय का कैंसर है। अग्न्याशय के कैंसर को साइलेंट किलर माना जाता है, क्योंकि इसका पूर्वानुमान करना या जांच में पकड़े जाने की संभावना बेहद कम होती है। सारी मेडिकल जांच फिर से करवाने के बाद सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ. नीलेश श्रीवास्तव ने प्रोफेसर डॉ. विनय कुमार के मार्गदर्शन में डॉ. सोनवीर गौतम , सीनियर रेजिडेंट और डॉ. मौली , एसोसिएट प्रोफेसर एनेस्थीसिया के साथ मिलकर 10 घंटे तक चले ऑपरेशन के बाद अग्नाशय के ट्यूमर को सफलतापूर्वक निकाला। अग्न्याशय के ट्यूमर की प्रकृति को देखते हुए डॉ. नीलेश श्रीवास्तव ने व्हिपल प्रक्रिया के द्वारा सर्जरी करने का निर्णय लिया। व्हिपल की प्रक्रिया कभी - कभी की जाने वाली एक जटिल सर्जरी है। सफलतापूर्वक की गयी यह जटिल सर्जरी मेडिकल टीम के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और जटिल मामलों को संभालने में एम्स भोपाल की उन्नत क्षमताओं को दर्शाती है। ऑपरेशन के बाद, डॉ. सौरभ सहगल, अतिरिक्त प्रोफेसर ने क्रिटिकल केयर में मरीज को विशेष देखभाल प्रदान की । एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) अजय सिंह ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए पूरी टीम को हार्दिक बधाई दी। मरीज फिलहाल स्थिर स्थिति में है, पेट दर्द से मुक्त है और रिकवर हो रहा है।

स म्पा द की य

आसान नहीं राजस्थान की राह

भाजपा को तीन राज्यों में अप्रत्याशित विजय मिली है, छत्तीसगढ़ में कल सीएम का चयन हो गया, लेकिन बाकी दो राज्यों में मुख्यमंत्री का चयन काफी मुश्किल लग रहा था। मध्यप्रदेश का मसला आज हल होने की पूरी उम्मीद है, लेकिन राजस्थान की राह आसान नहीं दिख रही। इसीलिए उसके लिए सबसे आखिर में विधायक दल की बैठक तय की गई है।

छत्तीसगढ़ का मामला आसानी से हल हो गया। मामला था सीएम तय करने का। रमन सिंह ने वैसे भी पूरे पाँच साल तक नींद ही निकाली थी। चुनाव के दौरान भी इसी वजह से उनका नाम कहीं सुनाई नहीं दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हुंकार में रमन सिंह की आवाज कहीं दब सी गई थी। यही वजह है कि वे न तो मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार नजर आ रहे थे और न ही उन्होंने ऐसी कोई कोशिश की। आखिरकार विष्णुदेव साय जैसे आदिवासी चेहरे को चुनकर भाजपा और मोदी ने अपना कर्तव्य पूरा कर लिया।

आदिवासी चेहरा इसलिए भी कि छत्तीसगढ़ पूरी तरह आदिवासी वोट पर आधारित है। पिछले पाँच वर्षों में बघेल ने गाँव-गाँव जाकर जो आदिवासी अहमियत को उकेरा है, उसका अदृश्य दबाव भी भाजपा पर पहले से ही था। दूसरे समाज या समूह से किसी चेहरे को मुख्यमंत्री पद देना इसलिए भी ठीक नहीं था। छत्तीसगढ़ के हिसाब से यह चयन एक तरह से ठीक ही है। और अब इसका असर मध्यप्रदेश पर भी दिख रहा है।

यह पहला मौक़ा है जब भाजपा मुख्यमंत्री चयन के मामले में किसी राज्य में खुद ही उलझ गई है। इस राज्य का नाम है राजस्थान। निश्चित तौर पर यहाँ मुख्यमंत्री पद की स्वाभाविक दावेदार पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ही हैं। सब जानते हैं कि कभी राजस्थान में भाजपा के लिए वसुंधरा के अलावा कोई चारा नहीं हुआ करता था, लेकिन अब सत्ता बदलने के साथ बहुत कुछ बदल गया है। अब भाजपा में हर कोई मुख्यमंत्री बनना चाहता है। देखना केंद्रीय नेतृत्व को है कि आख़िर लोकसभा चुनाव में राजस्थान में किसका कितना दबदबा रहेगा।

इस बीच विधायक दल की बैठक जो सोमवार को यहाँ होनी थी, एक बार फिर टल गई लगती है। वजह एक ही है। वसुंधरा राजे मान नहीं रही हैं। सही भी है। आखिर क्यों मानना चाहिए? रानी तो रानी है। लड़कर मरना मंजूर है, लेकिन वॉकओवर देना नहीं। केंद्रीय नेतृत्व भी पसोपेश में पड़ा हुआ है। आखिर क्या किया जाए? हालाँकि अंतत: होना वही है जो केंद्रीय नेतृत्व चाहता है, लेकिन इसके पहले तमाम दावेदार अपनी ताक़त तो दिखा ही सकते हैं। इसलिए वसुंधरा राजे भी वह सब कुछ कर रही हैं जो एक राजनीतिज्ञ को करना चाहिए। उनके निवास पर विधायकों की हाजिरी लग रही है और उन्हें मिलने वाला समर्थन भी बढ़ता हुआ दिख रहा है। अब जीत वसुंधरा की होती है या केंद्रीय नेतृत्व की, यह कल शाम तक ही पता चल पाएगा। हां, यदि वसुंधरा की फिलहाल हार होती है, यानि उनकी जगह कोई और मुख्यमंत्री बनता है या बनाया जाता है, तो वे चुप बैठेंगी, यह लगता तो नहीं है। यानि, राजस्थान में अस्थिरता की गुंजाइश बनी रहेगी।

दूसरी तरफ़ मध्य प्रदेश में भी अब तक मुख्यमंत्री को लेकर सस्पेंस बना हुआ है। सीएम शिवराज सिंह चौहान मध्यप्रदेश में रहकर ही ताल ठोक रहे हैं। दिल्ली न जाकर शिवराज सिंह चौहान ने जो दबाव बनाया है, उसके सामने तमाम प्रयास फीके नज़र आ रहे हैं। फिर भी जिस तरह से छत्तीसगढ़ में भाजपा ने परिवर्तन किया है, उसकी झलक मध्यप्रदेश में भी देखने को मिलेगी, ऐसे अनुमान लगाए जा रहे हैं। दावेदारों की सूची पहले तो काफी लंबी थी, लेकिन अब उसमें दो लोग ही बचे दिख रहे हैं। एक दावेदार महासचिव कैलाश विजयवर्गीय तो कथित तौर पर एक बार फिर शिवराज सिंह चौहान को अपना समर्थन दे आए हैं, ऐसी खबरें कल रात को राजनीतिक गलियारों में सुनाई दे रही थीं। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने खुद दावेदारी नहीं की है, केंद्रीय नेतृत्व पर उन्हें पूरा भरोसा है। देखना होगा कि राजस्थान के पहले मध्यप्रदेश की गुत्थी आसानी से सुलझती है या नहीं।

नेताओं द्वारा राजनीतिक गड्ढे खोदने से ही हो रहा कांग्रेस का पतन

आलोक मेहता

मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में पराजय के लिए कांग्रेस को अधिक समीक्षा की आवश्यकता नहीं है। हर बड़ी पराजय पर बनी कमेटियों की रिपोर्ट्स अलमारियों में धूल खा रही हैं। प्रदेशों के नेताओं द्वारा अपने वर्चस्व के लिए प्रतिद्वंदियों को गड्ढों में गिराने के हथकंडे अंततोगत्वा उन्हें और पार्टी को धराशायी कर देते हैं। बहुत कम लोगों को याद होगा कि मध्य प्रदेश में पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र से लेकर श्यामाचरण शुक्ल, कमलनाथ, अर्जुन सिंह और दिग्विजय सिंह तथा अजीत जोगी या भूपेश बघेल तक यही दांव पेंच आत्मघाती साबित हुए हैं। कमलनाथ ने तो 1980 के प्रारंभिक दौर में ही शुक्ल बंधुओं के प्रिय आदिवासी नेता शिवभानु सिंह सोलंकी को मुख्यमंत्री बनने से रोकने के लिए पहले अपनी दावेदारी की और अधिक समर्थक न देख अपने गुट को अर्जुन सिंह से जोड़कर उन्हें जितवा दिया। बाद में वह सदा अर्जुन सिंह का साथ देकर राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय रहकर अपने विश्वस्त विधायकों को महत्वपूर्ण बिजली-ऊर्जा और लोक निर्माण विभाग (पीडब्लूडी) दिलवाते रहे। इन विभागों के बजट और ठेकेदारी के काम सर्वाधिक रहते हैं। प्रदेश में द्वारका प्रसाद मिश्र ने ही पहले शुक्ल बंधुओं का प्रभाव रोकने के लिए पी सी सेठी और अर्जुन सिंह को महत्व दिलाया। बाद में अर्जुन सिंह और दिग्विजय सिंह ने माधव राव सिंधिया, मोतीलाल वोरा, सुभाष यादव, सुरेश पचौरी को रोकने के लिए हर संभव राजनीतिक चाल चली। इस बार भी कमलनाथ और दिग्विजय एक हद तक समर्थन विरोध का खेल खेलकर तिकड़मों से विजयी होने की कोशिश कर रहे थे। इसलिए इस जोड़ी और राहुल गाँधी के अहंकार तथा जमीनी संगठन के अभाव से चुनाव में भारी पराजय हुई।

पराजय के बाद ईवीएम् यानि वोटिंग मशीन में गड़बड़ी और उसे उत्तरदायी बताना हास्यास्पद और मूर्खतापूर्ण समझा जा रहा है, क्योंकि हाल ही में कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश और अब तेलंगाना में कांग्रेस उन्हीं मशीनों से विजयी होकर जयजयकार कर रही है। यदि गड़बड़ी संभव थी भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा के गृह राज्य अथवा येदुरप्पा बोम्मई और के चंद्रशेखर राव अपनी सरकारों और पार्टियों को नहीं जीता लेते? प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी भारतीय जनता पार्टी ने नेतृत्व, नीतियों, कार्यक्रमों, क्रियान्वयन और संगठन पर निरंतर ध्यान देकर लोक सभा अथवा प्रदेश विधान सभा चुनावों में सफलता पाई है। ऐसा नहीं कि प्रदेशों के भाजपा नेताओं में प्रतिद्वंदिता नहीं है। लेकिन वह बहुत अधिक नियंत्रित है। जनता पार्टी के समय भी जनसंघ के घटक के मुख्यमंत्री कैलाश जोशी , सुंदरलाल पटवा और वीरेन्द्रकुमार सखलेचा के बीच मुख्यमंत्री पद के लिए टकराव हुए , लेकिन कुशाभाऊ ठाकरे जैसे संघ से आए अध्यक्ष ने सबको संतुलित रख पार्टी और सरकार को बचाए रखा। जब सखलेचा और अनेक वर्ष बाद उमा भारती ने विद्रोह किया।

और अलग पार्टी भी बनाई, लेकिन विधायकों या चुनाव में जनता का समर्थन नहीं पा सके। इसी तरह राजस्थान में भैरोसिंह शेखावत से असंतुष्ट भाजपा नेता बड़ा विद्रोह नहीं कर सके। वसुंधरा राजे को शेखावत और अटल बिहारी वाजपेयी ने केंद्र में मंत्री और फिर मुख्यमंत्री बनवाया। वे अपने बल पर कोई सफलता नहीं पा सकती हैं। यही कारण है कि आज भी उनके कुछ समर्थक विधायक हैं , लेकिन वह विद्रोह करने की ताकत नहीं रखती। उन्हें अपने बेटे दुष्यंत का भविष्य भी देखना है। मध्य प्रदेश में कमलनाथ और दिग्विजय सिंह पराजय के बावजूद अपने बेटों का राजनीतिक भविष्य बनाने के लिए किसी भी तरह मैदान में जमे हुए हैं। अर्जुन सिंह के पुत्र अजय सिंह और सुभाष यादव के पुत्र अरुण यादव को तो उन्होंने बुरी तरह पीछे धकेल दिया है। जिस तरह छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल ने अपने पूर्व शीर्ष नेता मोतीलाल वोरा के बेटे अरुण वोरा , अजीत जोगी के बेटे अमित जोगी ही नहीं पार्टी के प्रमुख प्रतिद्वंदी टी एस सिंघदेव को निरंतर पीछे धकेला है। कांग्रेस की सबसे बड़ी गलती यह भी रही कि उसने आदिवासी नेताओं को नेतृत्व का अवसर ही नहीं दिया। छत्तीसगढ़ तो आदिवासी बहुल इलाका है। संयुक्त मध्य प्रदेश में अरविन्द नेताम, दिलीप सिंह भूरिया, कांतिलाल भूरिया जैसे आदिवासी नेताओं का उपयोग किया, लेकिन कभी सत्ता नहीं सौंपी। यही नहीं केंद्र में मनमोहन सिंह-सोनिया राहुल गाँधी और प्रदेश में अजीत जोगी और भूपेश बघेल के राज में माओवादी नक्सल समर्थक सलाहकारों को महत्व देकर नक्सल तत्वों के प्रति नरम रुख रखा। जबकि आदिवासी मोदी राज के साथ व्यापक सामाजिक आर्थिक बदलाव और प्रगति के लिए आकर्षित होते रहे हैं।

राजस्थान में तो कांग्रेस को डुबोने के लिए राहुल गाँधी ने अशोक गेहलोत और सचिन पायलट को पांच साल लड़ते रहने के लिए प्रोत्साहित किया। सचिन से दस वर्षों तक मुख्यमंत्री बनाने की आँख मिचोली की। गेहलोत को अपने विश्वस्त सहयोगी वेणुगोपाल और सुरजेवाला से दबाव बनवाकर स्वार्थों की पूर्ति करते रहे 7 गेहलोत इंदिरा युग से संगठन पर मजबूत पकड़ बनाते रहे , लेकिन तीसरी बार मुख्यमंत्री बनने के बाद ऊपरी और विधायकों के दबाव तथा पुत्र वैभव के राजनैतिक भविष्य के भंवर जाल में फंस गए। सचिन और उनके साथियों को ही नहीं पुराने साथी लेकिन राहुल के भी नजदीक सी पी जोशी जैसे अन्य नेताओं को राजनीतिक रुप से कमजोर करते रहे। वह स्वयं पूर्व मुख्यमंत्री हरिदेव जोशी, शिवचरण माथुर, गिरिजा व्यास के खिलाफ मोर्चा बनाकर सत्ता में पहुंचे थे। दूसरी तरफ भाजपा ने राजस्थान के पुराने प्रतिद्वंदियों को किनारे कर दूसरी पंक्ति के नेता के रुप में गजेंद्र सिंह शेखावत, राज्यवर्धन सिंह राठौर, महारानी दिया कुमारी , अर्जुन मेघवाल को आगे के लिए तैयार कर लिया।

मध्य प्रदेश में भी पिछले पांच वर्षों से शिवराज सिंह पर असंतोष का आंतरिक दबाव रहा, लेकिन सार्वजनिक नहीं हुआ। फिर यहाँ भी कैलाश विजयवर्गीय, नरेंद्र सिंह तोमर, प्रह्लाद सिंह पटेल, वी डी शर्मा सहित दूसरी पंक्ति के सेनापति चुनावी मैदान में उतार दिए। छत्तीसगढ़ में रमन सिंह के 15 वर्षों के कार्यकाल की राजनीतिक पूंजी और आदिवासी इलाकों एवं महिलाओं के बीच लगातार सक्रिय रहते हुए भाजपा ने रेणुका सिंह, सरोज पांडे, अरुण साव और ब्रजमोहन अग्रवाल जैसे कुछ नेता तैयार कर दिए। इस तरह मोदी की गारंटी यानी वायदे के अनुसार जन कल्याण कार्यक्रमों के क्रियान्वयन का विश्वास जनता में बनाया। नतीजा यह हुआ कि कांग्रेस की गाड़ी अपने बनाए गड्ढों में धंसती चली गई और भाजपा ने अभी से 2024 के लोक सभा चुनाव में विजय रथ के लिए रास्ते पक्के कर लिए।

क्या देश खाद्य-संकट की ओर बढ़ रहा है ?

-राकेश दुबे

सरकार के दावे कुछ भी हों, आँकड़े कैसे भी बताए जा रहे हो। हक़ीक़त आम आदमी जनता है। देश के आम आदमी के खाने की थाली अब भी महंगी है और यह महंगाई बढने के आसार हैं।कहने को दूसरी तिमाही में हमारी अर्थव्यवस्था की विकास-दर 7.5 प्रतिशत से अधिक रही है। भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंता नागेश्वरन का आकलन है कि भारतीय अर्थव्यवस्था 2023-24 (31 मार्च तक) के वित्त वर्ष में 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। यदि चार साल की औसत विकास-दर को देखें, तो वह 4.5 प्रतिशत के करीब है।

आज आटा 16 प्रतिशत, चावल करीब 15 प्रतिशत, चीनी करीब 11 प्रतिशत और तुअर दाल 16 प्रतिशत से अधिक महंगी हुई है। इन वस्तुओं के थोक के दाम कुछ भी हो , लेकिन खुदरा बाजार में मनमानी जारी है। दाम लगातार बढ़ाए जा रहे हैं। यह देश की अर्थव्यवस्था पर निगाह रखने वाली एजेंसी 'सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी' (सीएमआईई) एवं कुछ सरकारी एजेंसियों की ताजा रपट के निष्कर्ष हैं।

आने वाले तीन माह के दौरान भी इन खाद्यान्नों के दाम 14.55 प्रतिशत बढ़ सकते हैं। बीते 6 महीने के दौरान आटा, दाल, चावल और चीनी के दाम औसतन 14 प्रतिशत बढ़े हैं। सत्ता के पैरोकारों की दलील रही है कि देश के 81 करोड़ से ज्यादा गरीबों को तो 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' के तहत मुफ्त 5 किलो माहवार अनाज मुहैया कराया जाता है, लिहाजा खाद्यान्न के प्रति आम आदमी निश्चिंत हो सकता है। ऐसे में आम आदमी अपनी आमदनी को किसी और वस्तु तथा सेवा में खर्च कर सकता है। हक़ीक़त में सरकारी पैरोकारों ने ये दलीलें 13.5 करोड़ भारतीयों को गरीबी से बाहर निकालने के संदर्भ में दी हैं। गरीबी का मुद्दा तो आज भी विवादास्पद है, क्योंकि ऐसा आकलन करने वाले बौद्धिक, सामाजिक वर्ग के जिम्मेदार लोग हैं, जो आज भी 23.5 करोड़ भारतीयों को 'गरीबी-रेखा' के तले मानते हैं, क्योंकि वे गरीब 375 रुपए रोजाना कमाने में भी असमर्थ हैं। इस गम्भीर मुद्दे पर विश्लेषण और बहस कभी भी की जा सकती है। इस बात से कभी भी और कोई भी इनकार नहीं कर सकता कि गरीबी और खाद्यान्न की लगातार महंगाई के आपसी गहरे संबंध हैं।

यह सवाल आम आदमी द्वारा बार-बार पूछा जाता रहा है कि अर्थव्यवस्था के विकास के बावजूद आम खाने की थाली महंगी क्यों होती रहती है? फिलहाल महंगे दामों के बुनियादी कारण कमजोर मानसून, किसानों का दूसरी फसलों की तरफ शिफ्ट होना और ज्यादा गर्मी से उत्पादन प्रभावित माने जा रहे हैं। इससे जुड़ा एक और सवाल है क्यों हम आज भी मौसम पर आधारित कृषि के भरोसे हैं? कृषि की विकास-दर घटकर 1 प्रतिशत से कुछ ज्यादा तक क्यों लुढक़ आई है? कोरोना-काल में भी कृषि की विकास-दर 3 प्रतिशत से अधिक रही थी। केंद्र सरकार ने दामों को नियंत्रित करने के मद्देनजर साल भर अपने भंडारों से गेहूं निकाल कर खुले बाजार में बेचा है।

नतीजतन आज गेहूं के भंडारण 2.39 करोड़ टन ही बचे हैं। यह बीते साल के 3.77 करोड़ टन से कम है। मतलब साफ़ है सरकारी भंडारों में गेहूं करीब 37 प्रतिशत कम हो गया है। यह भी आकलन किया गया है कि भारत सरकार रूस से, पहले चरण में, 10 लाख टन गेहूं का आयात कर सकती है। गेहूं और चावल के उत्पादन में भारत विश्व में दूसरे स्थान का देश रहा है। फिर भी गेहूं की कमी का मुद्दा सवालिया है। सिर्फ गेहूं ही नहीं, चावल, दाल, गन्ना आदि का उत्पादन भी, बीते सालों की तुलना में, कम रहा है।

पिता नामी हास्य अभिनेता, बेटा बना आईएएस

सुरेश तिवारी

'राजा का बेटा राजा नहीं बनेगा तो क्या बनेगा' सदियों से हम दादी और नानी से यह बात सुनते हैं आ रहे हैं। आज भी यह कहावत सटीक बैठती है। जब शोबिज और राजनीति की बात आती है, तो इसे नेपोटिज्म कहा जाता है। जहां ज्यादातर बड़े कलाकारों के बच्चे अपने माता-पिता की तरह एक्टर बनते हैं। हिंदी और दूसरी क्षेत्रीय फिल्मों में भी यही परंपरा है। स्टार किड्स अपने पेरेंट्स के ही नक्शे कदम पर चलना पसंद करते हैं, पर इस बेटे ने जो किया वो अनोखा ही कहा जाएगा। ऐसे कलाकारों के कुछ बच्चे ऐसे भी हैं, जो अपनी अलग राह बनाते हैं।

इसका सबसे अच्छा उदाहरण है दक्षिण के तमिल सिनेमा के कॉमेडी स्टार चिन्नी जयंत के बेटे श्रुतंजय कृष्णमूर्ति नारायणन, जिन्होंने अभिनय में रुचि होने के बावजूद एक्टर न बनकर देश सेवा के लिए आईएएस बनने की राह चुनी।

चिन्नी जयंत तमिल सिनेमा के 80 के दशक के मशहूर सितारों में से एक हैं। वे ज्यादातर रजनीकांत की फिल्मों में अपनी अनोखी कॉमेडी के लिए पहचाने जाते हैं। लेकिन, उनके बेटे श्रुतंजय कृष्णमूर्ति नारायणन ने अपना अलग लक्ष्य खुद तय किया। उन्होंने इसे पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत की और दिन रात एक की। इसे पूरा करने के लिए श्रुतंजय ने 10 से 12 घंटे पढ़ाई की। उन्होंने दूसरे प्रयास में सिविल सेवा परीक्षा की परीक्षा पास भी की। श्रुतंजय ने न सिर्फ यूपीएससी परीक्षा पास की, बल्कि यूपीएससी सीएसई 2019 में 75वीं रैंक हासिल की, जिसके परिणाम 2020 में घोषित किए गए। उनका नाम यूपाएससा का रैंक म 75 वें नंबर पर था।

उन्हें पिता से अभिनय के गुण भी बखूबी मिले। श्रुतंजय नारायणन स्कूल और कॉलेज के दिनों में नाटकों में भी भाग लिया करते थे। उन्होंने इन नाटकों में अभिनय का जौहर बखूबी दिखाया, लेकिन वह इसे करियर के तौर पर अपनाना नहीं चाहते थे। श्रुतंजय ने भले ही स्कूल और कॉलेज के कई नाटकों में अभिनय किया, लेकिन अपने पिता की तरह पेशेवर रूप से अभिनय को करियर चुनना नहीं चाहा। चिन्नी जयंत श्रुतंजय के दोस्तों को सिनेमा की बारीकियां सिखाया करते थे, लेकिन उनके बेटे का मन सिनेमा में करियर बनाने का कभी नहीं हुआ। थिएटर नाटकों में अभिनय करने का उनका मकसद सिर्फ अभिव्यक्ति का माध्यम ढूंढना और नए दोस्त बनाना था। श्रुतंजय अभिनय क्षेत्र में पेशेवर करियर की संभावनाएं तलाशना नहीं चाहते थे।

श्रुतंजय ने ड्रूस बनने से पहले एक स्टार्टअप कंपनी में नौकरी की। इस जॉब के दौरान भी श्रुतंजय चार से पांच घंटे सेल्फ स्टडी करते रहे। वे नाइट शिफ्ट में काम करते थे और पढ़ाई भी करते रहे। श्रुतंजय नारायणन ने परीक्षा पास आने पर अपना सारा रूटीन बदल दिया था। जहां वे पहले जॉब करते हुए चार-पांच घंटे पढ़ाई करते थे, परीक्षा पास आने पर उन्होंने इसे बढ़ाकर 10 से 12 घंटे कर दिया। पढ़ाई और जॉब के साथ ही श्रुतंजय नारायणन अच्छी डाइट और नींद के साथ ही योग भी किया करते थे, जिससे उनकी सेहत हमेशा परफेक्ट रहती थी।

श्रुतंजय नारायणन ने यूपीएससी मेंस एग्जाम में ऑप्शनल सब्जेक्ट के तौर पर सोशियोलॉजी विषय लिया। हालांकि, भूगोल में भी उनकी गहरी रुचि है। इंटरव्यू के बारे में श्रुतंजय का मानना है कि उम्मीदवार को शुरुआती 20 मिनट में ही बोर्ड मेंबर्स पर अपनी छाप छोड़ देनी चाहिए। यूपीएससी में ऊंची रैंक आने पर उन्हें होम स्टेट यानी तमिलनाडु मिला। फ़िलहाल वे एडिशनल कलेक्टर (विकास)/परियोजना अधिकारी-जिला ग्रामीण विकास विल्लुपुरम के पद पर तैनात है।

एक साक्षात्कार में श्रुतंजय ने यूपीएससी परीक्षा की तैयारी के दौरान परिवार और दोस्तों की एक मजबूत सहायता प्रणाली के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि यूपीएससी की तैयारी एक लंबी प्रक्रिया है। उनके मुताबिक, मेंटर्स का होना भी बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि ऐसे गुरुओं का होना कभी अच्छा होता जिनसे आप लगातार संपर्क कर सकें। यह आपको पूरी प्रक्रिया के दौरान प्रोत्साहित करने में भी मददगार होता है। उन्होंने कहना है कि कुल मिलाकर आपको अपनी मेहनत पर भरोसा करना और इंतजार करना है।

मायावती का वनगमन या नयी करवट?

राकेश अचल

भारतीय दलित राजनीति में चार दशक पूरे कर चुकी बहन मायावती ने अपनी प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी बहुजन समाज पार्टी का उत्तराधिकार अपने भतीजे आकाश आनंद को सौंपकर ये संकेत दे दिया दिया है की वे अब राजनीति से ' अघा ' गयीं हैं। सक्रिय राजनीति में बहन मायावती की प्रासंगिकता पिछले कुछ दिनों से लगातार कम हो रही थी ऐसे में पार्टी को नया नेतृत्व देना उनकी विवशता भी थी और आवश्यकता भी। अब सवाल ये है कि बहन मायावती राजनीति में खुलकर खेलेंगीं या फिर ईडी, सीबीआई के दबाब के नीचे घुटती रहेंगीं?

बहन मायावती औपचारिक रूप से राजनीति में बसपा संस्थापक कांशीराम की शिष्या के रूप में 1977 में ही राजनीति में सक्रिय हो गयीं थीं, लेकिन 1984 में बसपा के गठन के बाद उन्होंने लोकसभा का पहला चुनाव 1989 में लड़ा और जीता था। उनका राजनीतिक सफर बिजनौर संसदीय क्षेत्र से हुया था। 67 साल की बहन मायावती ने भारतीय राजनीति में अपनी चौंकाने वाली उपस्थिति दर्ज कराई थी। वे 1994 में लोकसभा के बजाय राजयसभा की सदस्य बनीं और 1995 में उन्होंने देश के सबसे बड़े प्रदेश उत्तरप्रदेश में कांग्रेस और भाजपा जैसी राष्ट्रीय पार्टियों की मौजूदगी के बावजूद प्रदेश की ही नहीं अपितु देश की पहली दलित मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

देश में दलितों की खैरख्वाह पहले कांग्रेस को माना जाता था, लेकिन मायावती ने ये भरम तोडा । लेकिन उत्तरप्रदेश की राजनीति में वे केवल चार महीने में ही अपदस्थ कर दी गयीं। मायावती अनथक योद्धा बनकर मैदान में डटी रहीं। उन्होंने दो साल बाद फिर मुख्यमंत्री का पद हासिल किया । वे एक के बाद एक चार बार मुख्यमंत्री बनीं। उन्होंने राजनीति की तमाम स्थापित मर्यादाओं को तोड़ा लेकिन सत्ता के सूत्र हासिल किये। वे कभी समाजवादियों के साथ रहीं तो कभी भाजपा के साथ और कभी अकेली। 06 मार्च 2012 तक उन्हें सत्ता सुख मिला, लेकिन उसके बाद से वे राजनीति के अरण्य में भटक गयीं और अब तक सत्ता के नजदीक नहीं आ पायीं।

राजनीति में एक नए तरह का सामंतवाद मायावती की देन है। पहली बार किसी दल के प्रमुख के रूप में सुप्रीमो शब्द उन्हीं के नामके साथ चस्पा हुआ। बहन मायावती ने पहली बार खुले आम अपनी पार्टी के लोकसभाझ, राजयसभा और विधानसभा के टिकिट कीमत वसूलकर चुनाव लड़ने वालों को दिए। उन्होंने बाकायदा अपने वोटबैंक की कीमत उन लोगों से वसूल की जो कांग्रेस, भाजपा या समाजवादी पार्टी में उपेक्षित किये जा चुके थे। जिन्हें कोई टिकिट न देता हो उन्हें बसपा का टिकिट दिया गया। इसका बसपा को लाभ भी मिला और हानि भी हुई । बसपा का समर्थक मतदाता बाजार की चीज बन गया। धीरे-धीरे बसपा का जनाधार खिसकने लगा और स्थिति शून्य की और बढ़ने लगी, लेकिन बहन मायावती ने अपना स्वभाव और कार्यशैली नहीं बदली।

बहन मायावती की माया क्षीण हुई पिछले एक दशक के भाजपा राज में। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अंत शाह की जोड़ी ने बहन मायावती की हेंकड़ी निकालने के लिए जो बन पड़ा सो किया। पूरे देश ने देखा कि बहन मायावती की बोलती बंद हो गयी थी । उनकी खामोशी ने उन्हें भाजपा की ' बी ' टीम के रूप में बदनाम कर दिया था। बहन मायावती की मुठ्ठी खुली तो खुलती ही चली गयी । उनका अखंड दलित वोटबैंक बिखरने लगा और अनेक राजनीतिक दलों में बंट गया। बावजूद इसके उनके नेतृत्व को किसी ने खिलाकर चुनौती नहीं दी। आज की स्थिति में बहन मायावती के पास पार्टी का नेतृत्व छोड़ने के अलावा कोई विकल्प बचा नहीं था। सो उन्होंने अपने भतीजे आकाश आनंद को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया।

आकाश आनंद मायावती के छोटे भाई आनंद कुमार के बेटे हैं। शुरू में आकाश आनंद को चार राज्यों की जिम्मेदारी बसपा ने सौंपी गयी थी पिछले 6 सालों में आकाश की सक्रियता पार्टी में बढ़ती रही है। मायावती ने आकाश आनंद को पार्टी कोऑर्डिनेटर जैसा अहम पद दिया था। आकाश ने दूसरे राज्यों में संगठन की बैठक की और सभाएं की। आकाश पढ़े-लिखे युवा है। मायावती ने उन्हें लंदन से एमबीए कराया ताकि वे पार्टी प्रबंधन में कामयाब हो सकें। मायावती अपने उत्तराधिकारी को कांग्रेस के राहुल गांधी की तरह सड़क मार्ग से सक्रिय करना चाहती है। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले बसपा ने अपनी पदयात्रा आयोजित न करने की रणनीति में बदलाव किया है। आकाश आनंद ने 14 दिवसीय 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' संकल्प यात्रा शुरू की, जो राजस्थान में विधानसभा चुनावों और अगले साल होने वाले महत्वपूर्ण लोकसभा चुनाव से पहले बसपा की रणनीति में बड़े बदलाव का संकेत है।

अब देखना ये है कि मायावती आकाश के जरिये बसपा का लुप्त हुआ आकाश एक बार हासिल कर पाती हैं या नहीं? इस समय दलित वोटर नेतृत्वविहीन है । न कांग्रेस के पास कोई जमीनी नेता है और न भाजपा के पास। समाजवादी पार्टी के पास तो दलित नेता खोजे से नहीं मिलने वाले। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को दलित नेता के रूप में हाल के पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में एक तरह से ख़ारिज कर दिया गया। ऐसे में आकाश आनंद के लिए संभावनाएं तो हैं ,लेकिन इन संभावनाओं का दोहन तभी सम्भव है जब आकाश अपनी बुआ की छत्रछाया से बाहर निकलकर अपनी अलग पहचान बनाएं और बसपा को तनिक लोकतांत्रिक राजनीतिक दल बनाये । बसपा को प्राइवेट लिमिटेड की तरह चलना उनकी गलती होगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

गौहरगंज न्यायालय में लोक अदालत का आयोजन

औबेदुल्लागंज संवाददाता .मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्?यायाधीश रायसेन अनील कुमार सोहाने के मार्गदर्शन में शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन सुबह 10.30 बजे से शाम पांच बजे तक गौरहगंज न्?यायालय में आयोजित किया गया। ऊक्त अवसर पर अपर सत्र न्?यायाधीश ओ.पी. रघुवंशी, वरि?ठ व्?यवहार न्?यायाधीश अतुल बिल्लोरे, न्?यायिक मजिस्?ट्रेट प्रथम श्रेणी प्रिती अग्रवाल, न्?यायिक मजिस्?ट्रेट प्रथम श्रेणी प्रिन्?सी अग्रवाल, न्?यायिक मजिस्?ट्रेट प्रथम श्रेणी नीरज अग्रवाल के न्यायालय की 05 खंडपीठ एवं अन्य विभागों के भी खंडपीठ बनाई गई। ऊक्त खंडपीठों ने न्?यायालय में लंबित राजीनामा योग्?य सिविल, आपराधिक, चेक बाउंस, जल कर, पारिवारिक विवाद, मोटर दुर्घटना दावा, बैंक रिकवरी, राजस्व प्रकरण (न्यायालयों में लंबित) प्रकरणों का निराकरण किया गया।ऊक्त लोक अदालत में राजीनामा योग्य न्यायालयों में लंबित 129 मामलों सहित कुल 4264422/- राशि लगभग का .272से भी ज्यादा लोगो के प्रकरणों का निराकरण किया गया। प्री-लिटिगेशन प्रकरणों में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्?व) गौहरगंज, नगर पालिका परिषद मंडीदीप, वन विभाग, नगर परिषद औबेदुल्?लागंज, नगर परिषद सुल्?तानपुर, जनपद पंचायत ओबेदुल्?लागंज के उक्?त विभागों के एवं बैको के प्रीलिटिगेशन प्रकरणों के 789. केस निराकृत हुए जिसमें 2159107/- रूपये लगभग की वसूली हुई। शनिवार को बड़ी संख्या में अदालतों के चक्कर काटने वाले 1922 लोगों से भी ज्यादा लोगों को फायदा हुआ, लोगो को समझाइश दी गई कि भविष्य में इस प्रकार के विवाद न हो , राजीनामा पश्चात् लोग अपने गंतव्य की ओर खुशी खुशी रवाना हुए।

इजितमा जाने वाले हजारों लोगों की खिदमत में जूटे हैं औबेदुल्लागंज के युवा

औबेदुल्लागंज। आलमी तबलीगी इज्तिमा जमातियों के लिए औबेदुल्लागंज में चौराहे पर मस्जिद में स्वागत का विशाल इंतजाम किया गया है जमातियों के लिए चाय नाश्ते एवं भोजन की व्यवस्था की गई है खंडवा, बैतूल, इटारसी, नागपुर, जबलपुर, खरगोन, पिपरिया, बाबई, होशंगाबाद, बरखेड़ा तरफ से जमाते आती है औबेदुल्लागंज मस्जिद में नवाज और ठहरने की व्यवस्था युवाओं द्वारा की गई है नगर औबेदुल्लागंज में मुस्लिम त्योहार कमेटी के अध्यक्ष आमिर ममनून मुस्लिम विकास परिषद अध्यक्ष आसिफ पठान उपाध्यक्ष राजा खान, अकिल भाई, अतीक सिद्दीकी, अरशद खान, जफर खान, मेराज खान, आसिफ पेंटर, अकिल मियां, सलीम खान नगर औबेदुल्लागंज के युवा जमातियों की सेवा में लगे हुए हैं

श्री कृष्ण जन्म का उत्सव बड़े धूमधाम से मनाया

दमोह श्री राम मंदिर में होने वाली भागवत में पंडित रसिक बिहारी जी महाराज की भागवत कथा का आयोजन पुराना थाना के स्वर्णकार परिवार द्वारा किया जा रहा हैं बिहारी लाल स्वर्णकार श्रीकांत सचिन स्वर्णकार के द्वारा आयोजित भागवत कथा में बड़ी संख्या में धर्म प्रेमी जनता शाहगढ़ से पधारे पंडित रसिक बिहारी जी महाराज से कथा सुन कर धार्मिक लाभ ले रहे बहराम टॉकीज के पास चल रही भागवत कथा में श्री कृष्ण जन्म का उत्सव मनाया गया इस अवसर पर श्रीकांत बने भगवान श्रीकृष्ण के पिता और कथा के बीच ही भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया इस साप्ताहिक आयोजन में ना सिर्फ दमोह बल्कि जबलपुर रानीपुर ललितपुर उत्तरप्रदेश से भी भक्त दमोह पहुँचे जिसमें उत्तरप्रदेश से रानी सोनी सुरेश कौशिक जबलपुर से सुनील सोनी प्रेम नारायण कल्पना सोनी राजेश अजय सोनी छोटू स्वर्णकार राज स्वर्णकार पीयूष चौरसिया जग्गू सहित अनेक युवाओं ने पूरे सप्ताह इस भव्य आयोजन में सहयोग कर धर्म लाभ लिया । यह आयोजन बिहारी लाल स्वर्णकार के नेतृत्व में चला जिसमें दमोह नगर के सैकड़ों महिला पुरुषों ने प्रतिदिन पहुँचकर धर्म लाभ लिया ।

`अंधी गति से दौड़ रहे कंटेनर ने बाइक को टक्कर मारी, 2 की मौके पर मौत

सीहोर। सीहोर जिले में आने वाले बुधनी ब्लाक में सड़क हादसे का बड़ा मामला आया है। तेज रफ्तार से आ रहे एक कंटेनर ने रविवार की रात पौने आठ बजे एक बाइक को टक्कर मार दी। हादसा इतना दर्दनाक था कि बाइक पर सवार दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद कंटेनर का ड्राइवर मौके से फरार हो गया। कंटेनर को बुधनी पुलिस ने जब्त कर लिया है। बुधनी पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सड़क हादसा रविवार रात 7.45 बजे के करीब बुधनी के ओवरब्रिज के पास होशंगाबाद रोड का है। बताया जाता है कि कंटेनर को अंधी गति से चलाया जा रहा था। इस दौरान कंटेनर चालक ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। हादसा इतना दर्दनाक हुआ कि बाइक पर सवार दोनों युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई । पुलिस के अनुसार दोनों युवक अपाचे बाइक पर सवार थे।

कुबेरेश्वरधाम पर उमड़ा आस्था का सैलाब ,की पूजा अर्चन

सीहोर। जिला मुख्यालय के समीपस्थ चितावलिया हेमा स्थित निर्माणाधीन मुरली मनोहर एवं कुबेरेश्वर महादेव मंदिर में प्रतिदिन हजारों की संख्या में देश के कोने-कोने से आते है। रविवार को भी 50 हजार से अधिक श्रद्धालु मंदिर परिसर में पहुंचे। अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा की सात दिवसीय शिव महापुराण कथा का आयोजन महाराष्ट्र के जलगांव में जारी है। सोमवार को कथा का विश्राम दिवस है। इसके पश्चात नगर में आगम होगा। रविवार को विठलेश सेवा समिति की ओर से पंडित विनय मिश्रा सहित अन्य ने सुबह भगवान को खिचड़ी सहित अन्य का भोग लगाने के पश्चात यहां पर आने वाले श्रद्धालुओं को प्रसादी का वितरण किया।

साइबर जागरूकता अभियान

पुलिस अधीक्षक धार के निर्देशन में थाना नौगांव क्षेत्रांतर्गत ग्राम पंचायत उटावद में ग्रामवासियों को सायबर अपराध व उससे बचाव के संबंध में जानकारी दी

धार। भारत सरकार एवं राज्य सरकार के दिशा निर्देशो के परिपालन में राज्य सायबर सेल पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा सायबर अपराधो के प्रति जागरुकता एवं बचाव हेतु शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जन जागरुकता अभियान चलाते हुए सायबर ठगी के प्रचलित तरीको का उल्लेख करते हुए बचाव व सावधानी की जानकारी हेतु विशेष कार्यक्रम आयोजित करने हेतु निर्देशित किया गया है।

पुलिस अधीक्षक धार श्री मनोज कुमार सिंह द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धार डॉ. इंद्रजीत बाकलवार के मार्गदर्शन में जिले के समस्त सी.एस.पी./ एस.डी.ओ.पी., थाना प्रभारियों के साथ-साथ सायबर सेल धार प्रभारी भेरुसिंह देवड़ा को जिलें की जनपद/ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष रुप से सायबर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित करने हेतु निर्देशित किया गया।

इसी तारतम्य में आज दिनांक 10.12.2023 को थाना प्रभारी

नौगांव निरीक्षक सविता चौधरी द्वारा अपने थाना क्षेत्रांतर्गत ग्राम पंचायत उटावद में सायबर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में महिला थाना प्रभारी रेनू अग्रवाल, यातायात प्रभारी सूबेदार रोहित निगम, सायबर शाखा धार प्रभारी भेरुसिंह देवड़ा भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान सायबर शाखा धार प्रभारी भेरुसिंह देवड़ा द्वारा ग्राम पंचायत उटावद में ग्राम वासियो को सायबर ठगी के प्रचलित तरीके जैसे- मंडी में फसल बेचने उपरांत ठगो द्वारा किए जाने वाले फर्जी काल, किसान कार्ड, श्रम कार्ड या अन्य सरकारी योजनाओं में नाम जुडवाने, बैंक खाता बंद होने का बताकर च.ङ्क.ष्ट. अपडेशन के नाम पर ठगी, किसानो के बिजली ऋ्ण को माफ करने वाली योजना बताकर फ्राड, आनलाईन फ्राड़, लोन फ्राड, खेत पर टावर कनेक्शन के नाम पर धोखाधडी आदि के सायबर अपराध के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए ऐसे अपराधों से कैसे बच सकते है व किन किन सावधानियों को किसान व अन्य नागरिको को बरतना चाहिए, इस संबंध में कार्यक्रम में जानकारी दी गई। तथा पुलिस मुख्यालय से प्राप्त सायबर जागरुकता पेंपलेट का वितरण किया गया। साथ ही सायबर फ्राड हो जाने की दशा में तत्काल ÷नेशनल सायबर हेल्प लाईन नम्बर 1930÷ पर काल करने एवं ÷राष्ट्रीय सायबर अपराध शिकायत पोर्टल www.cybercrime.gov.in" पर अपनी शिकायत दर्ज कराने की उपयोगिता को भी बताया।

उपरोक्त कार्यक्रम के दौरान यातायात प्रभारी सूबेदार रोहित निगम द्वारा यातायात नियमों की जानकारी तथा सडक वाहन दुर्घटना से बचाव के संबंध में तथा महिला थाना प्रभारी निरीक्षक रेनू अग्रवाल द्वारा महिला संबंधी अपराध के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।

इस कार्यक्रम में थाना प्रभारी नौगांव निरीक्षक सविता चौधरी व उनकी टीम, महिला थाना प्रभारी निरीक्षक रेनू अग्रवाल व उनकी टीम, यातायात प्रभारी सूबेदार रोहित निकम व उनकी टीम, सायबर शाखा धार प्रभारी भेरुसिंह देवड़ा, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमति रेशमबाई व ग्राम पंचायत उटावद सरपंच श्रीमति गंगाबाई एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत कार्यशाला का हुआ आयोजन

अक्षर पोथी का हुआ प्रदर्शन

छतरपुर। नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत उल्लास कार्यशाला का आयोजन बीते रोज शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक एक छतरपुर के सभागार में किया गया।कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में प्राचार्य एस के उपाध्याय एवम् विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला परियोजना समन्वयक अरुण शंकर पांडे मौजूद रहे।

बीएसी अनुपम त्रिपाठी ने बताया कि कार्यशाला में जिला प्रौढ़ शिक्षा अधिकारी शिवेंद्र कुमार निगम,जिला सह समन्वयक शफीक अहमद एवम् आनंद कुमार अरजरिया ने समाज में साक्षरता के महत्व एवम् जरूरत पर प्रकाश डाला।कार्यशाला में वक्ताओं ने इस कार्यक्रम से जुड़े सभी साथियों को इस पुनीत कार्य में समर्पित भाव से जुड़ने का आह्वान किया।

कार्यशाला में नौगांव विकास खंड की शिक्षिका कल्पना मुखरैया एवम् श्रीमती निशा राय ने स्वयं द्वारा निर्मित टी एल एम के माध्यम से साक्षर करने संबंधी विभिन्न आयामों की प्रस्तुतियां दीं।राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल द्वारा तैयार की गई अक्षर पोथी(स्लाइड शो) का प्रदर्शन संकुल सह समन्वयक जय खरे द्वारा किया गया।

कार्यशाला में चौरसिया के. पी. फाउंडेशन से डॉक्टर हर्षिता शर्मा एवम् अमर सिंह राठौर ने उपस्थित होकर साक्षरता कार्यक्रम में अपना पूर्ण सहयोग देने की बात कही। एडीपीसी रामहित व्यास ने विशिष्ट अतिथि के रूप में अपना सारगर्भित उद्बोधन देकर साक्षरता से संबंधित अपने अनुभव साझा किए।कार्यशाला का संचालन शफीक अहमद एवम् जय खरे द्वारा किया गया। कार्यशाला में सभी विकासखंड सह समन्वयक एवम् सभी संकुल सह समन्वयक शामिल हुए।

बुधनी में तीसरी रेल लाइन पर यात्री और गुड्स ट्रेनें दौड़ी

बुधनी-बरखेड़ा घाट क्षेत्र पर 10 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड बढ़ेगी

सीहोर। मध्य प्रदेश में इटारसी-भोपाल रेलवे ट्रैक पर बुधनी बरखेड़ा घाट क्षेत्र के 26.5 किलोमीटर लंबे ट्रैक पर रविवार से यात्री और गुड्स दोनों ट्रेन दौड़ सकी।

शनिवार को इलेक्ट्रिक इंजन लगी ट्रेन से 95 किलोमीटर प्रति घंटे का स्पीड डायल किया गया था। इस ट्रायल के साथ बीना से इटारसी तक233 किलोमीटर तीसरी लाइन परियोजना पूरी हो गई। रेल सुरक्षा आयुक्त ने इस रेल खंड पर संरक्षण एवं सुरक्षा से जुड़े संसाधनों ओ लाइन संबंध उपकरण तथा सिंगलिंग आदि का निरीक्षण किया एवं उनके कार्य क्षमता को परखा। इसके बाद उन्होंने यहां से 75 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रेन चलाने की अनुमति दे दी है। उल्लेखनीय है कि बुधनी-बरखेड़ा घाट क्षेत्र पर 10 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड बढ़ेगी।

बुधनी से भोपाल की ओर जाने डाउन लाइन पर ट्रेनों की अधिकतम स्पीड सिर्फ 65 किलोमीटर प्रति घंटे है, जिसे 75 करने की अनुमति मिली है। हबीबगंज-बरखेड़ा और बुधनी-इटारसी क्षेत्र में तीसरी लाइन में ट्रेनों के अधिकतम स्पीड 130 किलोमीटर प्रति घंटे तक रहेगी, जो अभी 90 से 110 के बीच है। तीसरी रेल लाइन में घाट पर चढ़ाई में बैंकर इंजन लगाने की जरूरत नहीं होगी। अभी तक भोपाल की ओर जाने वाली ट्रेनों को बुधनी में रोकना पड़ता था, लेकिन तीसरी रेलवे लाइन के कारण समांतर ट्रेन चलाई जा सकेंगी।

चढ़ाई पर नहीं लगाना पड़ेग डबल इंजन

इसी तरह पुरानी रेल लाइन पर घाट में घोड़े की नाल की आकार का ट्रैक था। चढ़ाई में डबल इंजन लगाना पड़ता था। नया ट्रैक एस आकार का है जिसमें दो डिग्री घुमाओ कम हो गया है। इससे डबल इंजन नहीं लगाना पड़ेगा। बुधनी बरखेड़ा घाट क्षेत्र में रातापानी वाइड लाइफ सेंचुरी होने कारण निर्माण में वाइड लाइफ बोर्ड की सख्त शर्तो का पालन किया गया है। यह क्षेत्र इको सेंसेटिव जोन में आता है इसलिए वन्यजीवों की सुरक्षा का ध्यान रखा गया है ।

बुधनी-बरखेड़ा लाइन पर हैं 13 पुल और 7 सुरंग

इस लाइन पर 13 प्रमुख पुल 49 लघु पुल एवं 7 सुरंगे है पांच सुरंग में तीन डबल ट्रैक वाली है जबकि दो सुरंगे तीन ट्रैक वाली है तीन ट्रैक वाली यह राज्य की पहली टनल है। इसमें थर्ड लाइन का मिडिल ट्रैक मल्टी परपज है। यानी अप डाउन दोनों तरफ की ट्रेनों के काम आएगा यह रेलवे ट्रैफिक कंट्रोल के ऊपर है कि इस ट्रैक का

ईव्हीएम मशीन से नहीं बैलेट पेपर से कराये जायें चुनावः अजय

दमोह। जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा जिले की चारो विधानसभा सीटो पर मिली पराजय को लेकर कांग्रेस के चारो प्रत्याशियों ब्लाक अध्यक्षों मंडलम सेक्टरों मोर्चा संगठनों विभागों प्रकोष्ठो के साथ जिला कांग्रेस कार्यालय में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रतनचंद जैन ने कहा कि हमें हार स्वीकार है किन्तु ई.व्ही.एम. से होना वाला चुनाव स्वीकार नहीं। कार्यकर्ताओं ने मेहनत की है और जिन्होंने भी भीतरघात किया है उन्हें बख्शा नहीं जायेगा। लोकसभा चुनाव को लेकर पी.एम. मोदी ने बुंदेलखंड को टारगेट करते हुए ऐसी मशीने सेट कि उमा भारती के भतीजे और बड़ा मल्हरा के भाजपा प्रत्याशियों को तो हरबा दिया वाकी जगह ऐसी मशीने सेट की उनके प्रत्याशी ही हतप्रभ रह गये कि इतनी जीत की तो उन्होंनें तो कल्पना भी नहीं की थी। दमोह कांग्रेस प्रत्याशी अयज टंडन ने कहा कि हार को देखकर निराशा नहीं है लेकिन प्रजातंत्र की हत्या हो रही है लेकिन प्रजातंत्र की हत्या से सामने भविष्य क्या बन रहा है उस बात की चिंता है वह जनता की सेवा उसी प्रकार करते रहेगे वह विपक्ष की भूमिका का निर्वाह भी पूर्व निष्ठा के साथ करेंगे। जबेरा प्रत्याशी प्रताप सिंह, हटा प्रदीप खटीक, पथरिया राव बृजेन्द्र सिंह से जिला कांग्रेस कमेटी

अध्यक्ष से आग्रह किया कि इस बैठक में यह प्रस्ताव डाला जाये कि लोकसभा चुनाव यदि ई.व्ही.एम. मशीन से होगे तो कांग्रेस कार्यकर्ता मतदान का बहिस्कार करेगे चुनाव बैलेट पेपर से कराये जाये। तेजीराम रोहित, सतीश जैन, संजय चौरसिया, कमलेश उपाध्याय, राजेश तिवारी, रजनी ठाकुर, हाकर्म संग, अवधेष प्रताप, निधि श्रीवास्तव, कोमल अहिरवार, वीरेन्द्र राजपूत, नितिन मिश्रा, शमीम कुरैशी, मंजीत यादव, शुभम तिवारी, अजय जाटव, पप्पू कसोटया ने कहा ई.व्ही.एम. मशीन इस तरह सेट की गई थी कि एक वटन पर 20 प्रतिशत बोट गिरती थी मतदान के 20-25 दिन बाद भी बैटरी का 99 प्रतिशत चार्ज होना भी संदिग्ध है इस अवसर पर जिले के समस्त ब्लाक अध्यक्षों, मंडलम सेक्टर सहित कांग्रेस कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

चार दिवसीय बैडमिंडन टूर्नामेंट का समापन

खेल प्रतिभाओं को निखारने जिला प्रशासन कर रहा अनेक प्रयास'

छतरपुर। छतरपुर जिले में खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए कलेक्टर संदीप जी.आर. के निर्देशन में आयोजित चार दिवसीय बैडमिंडन टूर्नामेंट का रविवार को समापन हुआ। छतरपुर शहर के स्टेडियम प्रांगण में स्थित बैडमिंडन हॉल में चार दिवसीय छतरपुर प्रीमियर लीग बैडमिंडन टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। कलेक्टर श्री जी.आर द्वारा विजेता और उप विजेता टीमों को पुरस्कृत किया गया। टूर्नामेंट में छः टीमों को आमंत्रित किया गया है। इन टीमों को तीन ग्रूप में बांटा गया था। जिसमें छतरपुर लायंस, झांसी जायंट, जबलपुर जैगुआर, पन्ना टाइगर, टीकमगढ़ टाइटंस एवं दतिया डेविल्स शामिल हैं।इस खेल में खिलाड़ियों ने भरपूर आनंद और मनोरंजन किया।

50 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की जबलपुर को टीम प्रथम विजेता बनीं और 35 वर्ष से अधिक आयु वर्ग महोबा की टीम उप विजेता बनीं। प्रथम विजेता टीम को 11 हजार नगद, ट्रॉफी व प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया और द्वितीय स्थान पर आने वाली टीम को 5 हजार की नगद राशि ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही ओपन

वर्ग में छतरपुर की दोनों टीम जो प्रथम और द्वितीय स्थान पर रहीं। इनको भी पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों और उनके कोच को भी सम्मानित किया गया। कलेक्टर श्री जी.आर. ने खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए कहा कि पूरी लगन मेहनत से खेल को खेल को भावना से खेलें और अपने जिले, प्रदेश और देश का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा छतरपुर जिले में खेल प्रतिभाओं को आगे लाने और उन्हें सफलता के आयाम पर पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन निरंतर प्रयास कर रहा है। इस अवसर पर एडीएम नमः शिवाय अरजरिया सहित अन्य अधिकारी और टीमों के कोच, बैडमिंडन खिलाड़ी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है की कलेक्टर श्री जी.आर. के निर्देशन में बैडमिंडन हॉल को बेहतर और सुदृढ़ बनाया गया है। साथ ही स्टेडियम को भी सिंथेटिक बनाने का काम जारी है। छतरपुर, बड़ामलहरा, बिजावर में करोड़ों की लागत से स्पोर्ट फील्ड हो रही तैयारः गौरिहार में भी शीघ्र काम शुरू होगा कलेक्टर श्री जी.आर. के निर्देशन में जिले के छतरपुर स्टेडियम में 4 करोड़ रुपए की लागत, बिजावर में 2.95 करोड़, बड़ामलहरा में 2.95 करोड़ की लागत स्पोर्ट फील्ड को तैयार करने का काम निरंतर जारी है। साथ ही गौरीहार के ग्राउंड को 1.5 करोड़ की लागत से तैयार करने का काम भी शीघ्र प्रारंभ होगा। इस कार्य के होने से ग्राउंड में सिंथेटिक रनिंग ट्रेक, फुटबॉल फील्ड, बॉलीबॉल ग्राउंड (छतरपुर स्टेडियम), नेचुरल टर्फ, लाइटिंग इत्यादि काम किए जाएंगे। पूर्व में कलेक्टर श्री जी.आर. की अध्यक्षता में हुई जिले के खिलाड़ियों, कोच और पुलिस आर्मी आदि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे बच्चों के साथ मीटिंग सम्पन्न हुई थी। जिसमें कलेक्टर द्वारा सभी की समस्याएं और सुझाव लिए थे। खिलाड़ियों और प्रतियोगी परीक्षाओं के बच्चों के हित में लिए गए निर्णय आज धरातल पर अपना स्वरूप लेने लगे हैं।

अनूठी पाठशाला में गांव के बच्चे सीख रहे नए नए हुनर

ढडारी/ रविवार को ग्राम ढडारी के शास.मिडिल स्कूल मैदान में सेवा ही संकल्प समिति द्वारा खुशियों की पाठशाला के द्वितीय चरण का शुभारंभ किया गया, जिसमें ग्राम ढडारी के बच्चों ने बढ़ चढ़कर सहभागिता की । पाठशाला में बच्चों ने पेंटिंग, गायन, बौद्धिक खेल आदि कलात्मक गतिविधियों में अपने हुनर को निखारना सीखा ।

समिति के शिवम यादव ने बताया कि खुशियों की पाठशाला का यह दूसरा चरण ग्राम ढडारी में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को विभिन्न कला विधाओं का निःशुल्क प्रशिक्षण देकर उन्हें हुनर को पहचानकर आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया जा रहा है । रविवार को पाठशाला में सैकड़ों की संख्या में बच्चे- बच्चियां तथा समिति से नवदीप पाटकर, अमेय तिवारी, नीलेश तिवारी, लखन अहिरवार, लोकेश पुष्पकार, शिवम यादव, सत्यम सिंह सोलंकी, राजकुमार अहिरवार तथा रामकिंकर व्यास उपस्थित रहे ।

जिले में विकसित भारत संकल्प यात्रा के प्रचार रथों को हरि झंडी दिखाकर किया रवाना

कलेक्टर ने नोडल अधिकारी एवं पंचायत और नगरीय स्तर पर दल गठित किए

छतरपुर। केन्द्रीय योजनाओं के सभी पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाने और नवाचारी योजनाओं से देश हुए विकास से आम लोगों को परिचित कराने के लिये प्रदेश सहित छतरपुर जिले में भी विकसित भारत संकल्प यात्रा का शुभारंभ हो चुका है। यह यात्रा शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में से गुजरेगी और केन्द्रीय योजनाओं से वंचित हितग्राहियों को लाभान्वित करवायेगी। रविवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय से विकसित भारत संकल्प यात्रा के चार रथों को रूट एवं वाहन प्रभारी के साथ निर्धारित अलग अलग ब्लॉक में जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा हरी झंडी दिखाकर भेजा गया।

इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती विद्या अग्निहोत्री, विधायक राजनगर अरविंद पटेरिया, कलेक्टर संदीप जी.आर., नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती ज्योति चौरसिया, एसीईओ चंद्रसेन सिंह, मलखान सिंह, मोनू यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थिति रहे।

कलेक्टर संदीप जी.आर. द्वारा संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा

निर्देश दिए गए हैं। साथ ही नोडल अधिकारी एवं पंचायत और नगरीय स्तर पर दल गठित किए है।

कार्यक्रम स्थल पर यह सुनिश्चित किया जायेगा कि सभी निर्दिष्ट विभागों के द्वारा अपने-अपने स्तर से लाभार्थियों एवं आम जन की उपस्थिति सुनिश्चित की जायेगी एवं कार्यक्रम में योजनाओं जैसे- पेंशन योजनाएँ, स्वास्थ्य मेला, पशु स्वास्थ्य मेला, आयुष्मान भारत कार्ड, कृषि से संबंधित स्टाल, स्व सहायता समूहों के स्टाल, बैंकिंग क्षेत्र के स्टाल, आदिवासी विकास विभाग से संबंधित स्टाल लागये जायेंगे।

उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार, राज्य सरकारों और केंद्रशासित प्रदेशों के साथ मिलकर लगातार प्रयास कर रही है कि केन्द्रीय योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राहियों को मिले। ग्राम स्वराज अभियान, विस्तारित ग्राम स्वराज अभियान, प्रमुख योजनाओं का शत प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित करने संकल्प यात्रा निकाली जा रही है।

ग्रामीण क्षेत्रों में यात्रा का उद्देश्य

ग्रामीण इलाकों के लिये प्रमुख योजनाओं में आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, दीनदयाल अत्योदय योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री पोषण अभियान, हर घर जल, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री स्वामित्व, जन धन योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री प्रणाम, नैनो फर्टिलाइजर शामिल हैं। साथ ही जनजातीय परिवारों के कल्याण से संबंधित योजनाओं में सिकल सेल एनीमिया निवारण मिशन, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों में प्रवेश, स्कॉलरशिप, वन अधिकार, वन-धन विकास केन्द्र शामिल हैं।

शहरी क्षेत्रों में यात्रा का उद्देश्य

शहरी क्षेत्रों में यात्रा के दौरान शहरी योजनाओं में प्रधानमंत्री स्वनिधि, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा लोन, स्टार्ट-अप इंडिया, स्टैंड-अप इंडिया, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत अभियान, प्रधानमंत्री ई-बस सेवा, अटल मिशन फॉर रिजूवनेशन एंड अर्बन ट्रांसपोर्टेशन-अमृत योजना, प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना, सौभाग्य योजना, डिजिटल पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर, खेलो इंडिया, उड़ान, वंदे भारत ट्रेन, अमृत भारत स्टेशन योजना शामिल हैं। इन योजनाओं में पात्र हितग्राहियों को चिंहित कर लाभान्वित किया जायेगा।

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण भोपाल

आम सूचना

क्रमांक 2914/राजस्व/भोविप्रा./23 भोपाल दि. 8/12/23

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि प्राधिकरण की साकेत नगर योजना में स्थित भूखण्ड क्रमांक 116/2 ए. श्री ए.के. पंजवानी आ0 श्री पी.सी. पंजवानी के नाम पर आवंटित है। आवंटी द्वारा उक्त भूखण्ड हेतु श्री विश्वेश्वर दयाय को मुख्तारआम नियुक्त किया गया। मुख्तारआम द्वारा उक्त भूखण्ड पर प्रकोष्ठों का निर्माण कर पृथक-पृथक व्यक्तियों को विक्रय किया गया। जिसमें प्रकोष्ठ क्र.-सी-1 का विक्रय श्री कैलाश चन्द सिंघई आ. श्री कुन्दनलाल सिंघई को कर दिनांक 28/11/1996 की रजिस्ट्री करा दी गई। श्री कैलाश चन्द सिंघई द्वारा प्राधिकरण में नामांतरण नही कराया गया और दिनांक 18/04/2021 को स्वर्गवास हो गया। उनके वारिस श्रीमती सीमा सिंघई, श्री अंशुल सिंघई एवं श्री रोहन सिंघई पत्नि/आ0 स्व. श्री कैलाश चन्द सिंघई द्वारा आवेदन पत्र, पहचान पत्र, शपथ पत्र, एवं मृत्यु प्रमाण पत्र आदि प्रस्तुत कर प्रकोष्ठ क्र.-सी-1 का नामांतरण चाहा गया है। परन्तु नामांतरण से पूर्व आवेदक द्वारा विज्ञप्ति जारी करवाकर आपत्ति प्राप्त किया जाना होगा। आपत्ति प्राप्त नही होने की दशा में नामांतरण की कार्यवाही किया जाना है संभव होगा। उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति / उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अन्दर लिखित एवं साक्ष्य / दस्तावेजों के साथ इस कार्यालय को अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात कोई भी दावा / आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

राजस्व अधिकारी
भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल

सूर्या रोशनी ने घरेलू उपकरणों की अत्याधुनिक रेंज के साथ कंज्यूमर ड्यूरेबल्स का नजरिया बदल दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले 50 वर्षों से कारोबार में संलग्न सूर्या रोशनी लाइट, पंखे, इलेक्ट्रिक वॉटर हीटर, घरेलू उपकरण, स्टील पाइप और पीवीसी पाइप उद्योग में भारत के सबसे जाने-माने और भरोसेमंद ब्रांडों में से एक है। सूर्या भारत में ब्रांडेड लाइटिंग प्रोडक्ट का सबसे बड़ा निर्माता है जो निरंतर प्रगति करते हुए अपने उद्योग में एक मानक स्थापित करता है।

सूर्या एक बार फिर कंज्यूमर ड्यूरेबल्स बाजार का नया नज़रिया पेश करते हुए पूरे देश के बाज़ारों से जुड़ कर अपनी नई सीरीज़ के उपकरणों और बीईई रेटेड सीलिंग पंखे लॉन्च करने के लिए तैयार है।

ये पंखे कार्य क्षमता और सुंदरता की नई मिसाल हैं: सूर्या ने आज के ग्राहकों की ऊंची पसंद को देखते हुए बीईई स्टार लेबल के साथ नए सीलिंग पंखे लॉन्च किए, जो न केवल घर की खूबसूरती बढ़ाते हैं, बल्कि साल-दर-साल प्रति पंखा' 1000 - 1800 रुपये की बचत भी करते हैं:

5 स्टार पेटल सी पंखे: पहली बार पेश इस 5-स्टार बीईई रेटेड पंखे में इनोवेटिव इंडक्शन मोटर लगा है। यह जहां भी लगेगा दिल जीत लेगा और सिर्फ 34 बिजली खपत करेगा। अपने आकर्षक डिज़ाइन, चौड़े ब्लेड और प्रीमियम मैटेलिक पेंट से यह घर के इंटीरियर में चार चांद लगा देगा।

एचडीएफसी बैंक ने स्टार-स्टडेड पेज़ैप अभियान लॉन्च किया

मुंबई एजेंसी। भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक, एचडीएफसी बैंक ने आज सितारों से सुसज्जित पेज़ैप अभियान शुरू करने की घोषणा की। इस अभियान में अभिनेता टाइगर श्रॉफ, प्रभु देवा और कपिल शर्मा व्यापक उपभोक्ता जुड़ाव के लिए अपनी अपार लोकप्रियता का उपयोग कर रहे हैं।

एक मार्टेक नेटवर्क, वंडरलैब इंडिया द्वारा परिकल्पित टंग-इन-चिक अभियान में तीन अभिनेताओं की विशेषता वाली तीन फिल्में शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक पेज़ैप द्वारा प्रदान किए जाने वाले भुगतान विकल्पों की एक श्रृंखला को प्रदर्शित करती है। यह अभियान इस अंतर्दृष्टि से आया है कि कुछ लोग अपना पूरा जीवन बिना किसी विकल्प के जीते हैं, लेकिन अब उन्हें ऐसा करने की ज़रूरत नहीं है, कम से कम जब भुगतान की बात आती है।

रवि संथानम, ग्रुप हेड, चीफ मार्केटिंग ऑफिसर और हेड-डायरेक्ट टू कंज्यूमर बिजनेस ने कहा, पेज़ैप के साथ, हमने सभी उपभोक्ताओं के लिए भुगतान अनुभव को बड़े पैमाने पर नया रूप दिया है, जिससे यात्रा सुगम और आसान हो गई है - चाहे वह यूपीआई, कार्ड या पेज़ैप वॉलेट के माध्यम से हो। यह सिर्फ एक पेमेंट ऐप नहीं है; यह जीवनशैली को सक्षम बनाने वाला है। हम उपभोक्ताओं के लिए पेमेंट ऐप की पसंदीदा पसंद बनने का लक्ष्य रखते हुए देश के हर हिस्से तक पहुंचना चाहते हैं। पेज़ैप पर तीन फिल्मों ने हमारे ब्रांड संदेश के सार को खूबसूरती से दर्शाया है।

वंडरलैब इंडिया के सीसीओ और सह-संस्थापक अमित अकाली ने कहा, अभियान की संकल्पना करते समय हमने एक विरोधाभासी दृष्टिकोण अपनाया। हमने पता लगाया कि हम दर्शकों को यह दिखाकर असीमित विकल्पों के मुद्दे को कैसे आगे बढ़ा सकते हैं कि जब उनके पास जीवन में कोई विकल्प नहीं होता तो क्या होता है। इसीलिए, हम उन मशहूर हस्तियों को चुनते हैं जो किसी चीज़ के लिए सबसे ज्यादा जाने जाते हैं, केवल उन विशिष्ट भूमिकाओं में देखे जाने से थक चुके हैं और अधिक विकल्पों की इच्छा रखते हैं।

टाटा पावर 1 लाख करोड़ रुपये मार्केट कैप वाली कंपनियों के एलिट क्लब में शामिल

मुंबई एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी एकीकृत बिजली कंपनियों में से एक, टाटा पावर ने 1 लाख करोड़ रुपये (1 ट्रिलियन) से अधिक मार्केट कैप वाली कंपनियों के एलिट क्लब में प्रवेश किया है। यह उपलब्धि हासिल करने वाली टाटा पावर इंफ्रास्ट्रक्चर उद्योग की दूसरी और टाटा ग्रुप की छठी कंपनी बन गई है। इस स्टॉक ने 2023 में 56.8 प्रतिशत रिटर्न दिया है।

आज जब सीओपी28 में, दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियां स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन के बारे में विचार-विमर्श कर रही हैं, टाटा पावर ने पहले ही 2.8 गीगावाट की दो पंप हाइड्रो स्टोरेज परियोजनाओं में 13,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन का नेतृत्व किया है, जिससे कंपनी को उपभोक्ताओं को चौबीसों घंटे (आरटीसी) नवीकरणीय ऊर्जा प्रदान करने में मदद मिलेगी।

हाल ही में एक विश्लेषक बैठक में, टाटा पावर ने वित्तीय वर्ष 2027 तक 60,000 करोड़ रुपये के कैपेक्स की घोषणा की; जिसका 45 प्रतिशत नवीकरणीय क्षेत्र में दिया जाएगा। टाटा पावर के पास वर्तमान में 5.5 गीगावाट का स्वच्छ ऊर्जा पोर्टफोलियो है, जिसे 2030 तक 20 गीगावाट तक ले जाने का कंपनी का लक्ष्य है। वित्तीय वर्ष 2023 में स्वच्छ और हरित ऊर्जा क्षमता को 43 प्रतिशत से 68 प्रतिशत पर ले जाने का कंपनी का लक्ष्य है। 3.7 गीगावाट क्षमता पहले से ही निर्माणाधीन है। आरई पोर्टफोलियो में मजबूत वृद्धि, ट्रांसमिशन और वितरण परिसंपत्तियों से उच्च लाभप्रदता के साथ-साथ समूह कैप्टिव और सौर रूफटॉप में मजबूत अवसरों के आधार पर वित्त वर्ष 27 तक राजस्व, ईबीआईटीडीए और पीएटी को दोगुना करने की योजना प्रबंधन ने बनाई है।

अडानी के तारणहार ने जीएमआर एयरपोर्ट्स में खरीदा हिस्सा, 14 साल के हाई पर शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के बाद जब निवेशक गौतम अडानी से मुंह मोड़ रहे थे तो जीक्यूजी पार्टनर्स ने उनका हाथ थामा था। राजीव जैन की इस कंपनी ने अडानी ग्रुप की कई कंपनियों में भारी निवेश किया था और आज उन्हें इसका जबरदस्त फायदा मिला है। जीक्यूजी पार्टनर्स ने अब जीएमआर एयरपोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर में करीब पांच फीसदी हिस्सेदारी 1672 करोड़ रुपये में खरीदी है। कंपनी ने यह हिस्सेदारी ओपन मार्केट से खरीदी है। बल्क डील डेटा के मुताबिक जीक्यूजी पार्टनर्स एमरजिंग मार्केट्स फंड ने 92,636,787 शेयर और गोल्डमैन सैश जीक्यूजी पार्टनर्स इंटरनेशनल अपॉरच्यूनिटीज फंड ने 19,02,45,637 शेयर खरीदे। यह खरीदारी 59.09 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से की गई जो स्टॉक के पिछले दिन के बंद भाव से 4 परसेंट कम है। इससे शुक्रवार को कंपनी के शेयरों में काफी तेजी आई और यह 14 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान यह 70.40 रुपये पर पहुंच गया जो जून 2009 के बाद इसका उच्चतम स्तर है। अंत में यह बीएसई पर करीब 12 परसेंट की तेजी के साथ 68.89 रुपये पर बंद हुआ। साथ ही इसका वॉल्यूम भी तीन महीने के एवरेज वॉल्यूम से अधिक पहुंच गया। इस साल जीएमआर एयरपोर्ट्स ने अपने निवेशकों को 73 प्रतिशत से अधिक रिटर्न दिया है। तीन साल में इस शेयर की कीमत में 190 परसेंट से ज्यादा तेजी आई है। सितंबर तिमाही के अंत तक कंपनि में विदेशी संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी 28 प्रतिशत थी।

राष्ट्रीय अधिवक्ता कॉन्फरन्स 2023 में जैन आचार्य लोकेशजी "ACI नेशनल प्राइड अवार्ड 2023÷ से सम्मानित हुए। HH Jain Acharya Lokeshji honored with "ACI National Pride Award 2023" at the National Advocates Conference, NDMC Convention Center New Delhi

कभी 8,000 थी सैलरी, आज अंबानी से टकराने की है तैयारी, नितिन कामत कैसे बने जेरोधा के पुरोधा

नईदिल्ली, एजेंसी। स्टॉक ब्रोकिंग स्टार्टअप जेरोधा के फाउंडर नितिन कामत एक बार फिर चर्चा में हैं। पिछले फाइनेंशियल ईयर में नितिन और उनके भाई निखिल कामत को कुल 195.4 करोड़ रुपये का कंपनसेशन मिला। दोनों भाइयों को 72-72 करोड़ रुपये की सालाना सैलरी मिली। यानी हर महीने दोनों भाइयों को छह-छह करोड़ रुपये का वेतन मिला। ये दोनों भारत में सबसे ज्यादा पैसा पाने वाले स्टार्टअप फाउंडर हैं।

कॉल सेंटर से शुरुआत- जेरोधा की स्थापना दो भाइयों निखिल और नितिन कामत ने की थी। नितिन कामत कंपनी के सीईओ हैं जबकि निखिल सीएफओ हैं। नितिन ने 2000 के दशक की शुरुआत में एक ट्रेडर के रूप में अपना करियर शुरू किया। एक समय ऐसा था जब नितिन कामत कॉल सेंटर में आठ हजार रुपये महीने की नौकरी किया करते थे। उस समय उनकी उम्र महज 17 साल थी। यह उनकी पहली नौकरी थी। नितिन ने अपनी इसी सैलरी के साथ स्टॉक मार्केट में ट्रेडिंग शुरू की थी।

कैसे आया आइडिया- शुरुआत के एक साल में उन्होंने स्टॉक मार्केट को गंभीरता से नहीं लिया था। हालांकि बाद में उन्हें यह बात समझ में आ गई कि इससे अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है। नितिन ने 2001 से 2005 तक कॉल सेंटर में काम किया। फिर साल 2005 में उन्होंने अपना एक एडवाइजरी बिजनस शुरू किया। कुछ ही समय बाद जब एनएसई ने फ्री ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म लॉन्च किया तो नितिन को जेरोधा शुरू करने का आइडिया आया।

कितने एक्टिव यूजर- इस कंपनी की स्थापना नितिन कामत ने अपने भाई निखिल कामत के साथ मिलकर साल 2010 में बेंगलुरु में की थी। साल 2016 तक कंपनी के ग्राहकों की संख्या 70 हजार थी। दिसंबर 2015 में कंपनी ने जीरो ब्रोकरेज इक्विटी इन्वेस्टिंग की शुरुआत की। इसके बाद कंपनी के ग्राहकों की संख्या तेजी से बढ़ी। सितंबर 2023 के आंकड़ों के मुताबिक जेरोधा के एक्टिव यूजर्स की संख्या 64.8 लाख है।

अंबानी से टक्कर की तैयारी- जेरोधा को एसेट मैनेजमेंट कंपनी बिजनस शुरू करने के लिए सेबी से मंजूरी मिल गई है। जेरोधा ने एएमसी बिजनस के लिए वेल्थ मैनेजमेंट कंपनी स्मॉलकेस के साथ हाथ मिलाया है। इस बिजनस में जेरोधा का मुकाबला भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी से होगा। उनकी कंपनी जियो फाइनेंशियल सर्विसेज ने साथ ही दुनिया की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी ब्लैकरॉक से भी हाथ मिलाया है।

कितनी है नेटवर्थ- बेंगलुरु की इस कंपनी का पिछले फाइनेंशियल ईयर में रेवेन्यू 38.5 परसेंट की तेजी के साथ 6,875 करोड़ रुपये रहा जो वित्त वर्ष 2022 में 4,964 करोड़ रुपये था। इस दौरान कंपनी का नेट प्रॉफिट भी 39 प्रतिशत बढ़कर 2,907 करोड़ रुपये पहुंच गया। फाइनेंशियल ईयर 2022 में यह 2,094 करोड़ रुपये था। कंपनी के वैल्यूएशन 30,000 करोड़ रुपये है जो उसके सालाना प्रॉफिट से करीब 10 गुना अधिक है। स्टार्टअप कंपनियों में कामत बंधुओं की कमाई सबसे ज्यादा है। 44 साल के नितिन कामत और उनके भाई निखिल कामत की नेटवर्थ करीब 45,754.5 करोड़ रुपये है।

अनीश शाह फिक्की के नए अध्यक्ष के रूप में चुने गए

अनीश शाह महिंद्रा ग्रुप के सीईओ और एमएंडएम के प्रबंध निदेशक हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य एवं उद्योग जगत की देश की सबसे पुरानी और सबसे बड़ी संस्था फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री को तो जानते ही होंगे। इसके नए अध्यक्ष डा. अनीश शाह को बनाया गया है। उन्हें साल 2023-24 के लिएअध्यक्ष चुना गया है। उन्होंने संगठन के 96वें एनुअल कन्वेंशन में अपना पदभार संभाल लिया है। शाह ने सुभ्रकांत पंडा का स्थान लिया है, जिनका पिछले दिनों कार्यकाल समाप्त हो गया।

कौन हैं अनीश शाह- अनीश शाह महिंद्रा ग्रुप के सीईओ और ग्रुप की मूल कंपनी एमएंडएम के प्रबंध निदेशक हैं। महिंद्रा ग्रुप में इस समय 2,60,000 से भी कर्मचारी काम करते हैं। इसका कारोबार दुनिया के 100 से भी ज्यादा देशों में चलता है। यह कंपनी फार्म इक्विपमेंट, टेक्नोलोजी सर्विस और देश की सबसे बड़ी एसयूवी भी बनाती है। फिक्की के मुताबिक अनीश शाह का फोकस हर-एक उद्योग में तकनीकी नेतृत्व की स्थापना करने के साथ संगठन को आगे बढ़ाने और व्यवसायों में वैल्यू क्रिएशन पर रहेगा।

और भी है जिम्मेदारी- फिक्की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति के पदाधिकारी होने के अलावा, डॉ. शाह यूके इन्वेस्टमेंट काउंसिल के सदस्य, ऑटोमोटिव गवर्नेंस काउंसिल (विश्व आर्थिक मंच) के अध्यक्ष, जलवायु परिवर्तन के लिए सीईओ के भारत गठबंधन के सह-अध्यक्ष भी हैं। इसी के साथ वह विश्व आर्थिक मंच और भारत-ऑस्ट्रेलिया सीईओ परिषद के सह-अध्यक्ष भी हैं। महिंद्रा समूह से पहले, डॉ. अनीश शाह 2009-14 तक जीई कैपिटल इंडिया के अध्यक्ष और सीईओ थे, जहां उन्होंने व्यवसाय के परिवर्तन का नेतृत्व किया था।

सस्ता सोना खरीदने के लिए हो जाएं तैयार, इस महीने मिलने वाला है मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप अपनी मेहनत की कमाई को कहीं निवेश करना चाहते हैं तो आपके लिए शानदार मौका आने वाला है। आपको सस्ती कीमत पर सोना खरीदने का मौका मिलेगा। आप इसी महीने निवेश कर पाएंगे। ऐसे में आप अभी से रुपयों का बंदोबस्त कर लें। दरअसल सरकार इस महीने सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की एक किस्त जारी करेगी और फरवरी महीने में एक और किस्त जारी की जाएगी। अगर आप गोल्ड में निवेश करना चाहते हैं तो आप इसका फायदा उठा सकते हैं। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड 2023-24 सीरीज-3 इस महीने 18-22 दिसंबर को खुलेगी। इश्यू की तारीख 28 दिसंबर 2023 है। सीरीज-4 के लिए 12-16 फरवरी की तारीख तय है। इसकी इश्यू की तारीख 21 फरवरी 2024 है। सीरीज-1 इस साल 19-23 जून के बीच और सीरीज-2 11-15 सितंबर के बीच खुली थी।

इतने रुपये का कर सकेंगे निवेश- सब्सक्रिप्शन की मैक्सिमम लिमिट इंडिविजुअल के लिए 4 किलोग्राम, एचयूएफ के लिए 4 किलोग्राम और ट्रस्टों और समान संस्थाओं के लिए 20 किलोग्राम प्रति वित्तीय वर्ष होगी। मंत्रालय ने कहा कि ऑनलाइन सब्सक्रिप्शन लेने वाले और डिजिटल मोड के जरिए पेमेंट करने वाले निवेशकों के लिए एसजीबी के तय मूल्य से 50 रुपये प्रति ग्राम की छूट मिलेगी।

क्या होगी कीमत- गोल्ड बॉन्ड की कीमतें सब्सक्रिप्शन की अवधि से पहले के सप्ताह के आखिरी तीन कारोबारी दिन के लिए इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन लिमिटेड की ओर से जारी 999 शुद्धता वाले गोल्ड की क्लोजिंग प्राइस के एवरेज के आधार पर तय होती हैं।

यहां से पाएंगे खरीद- सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड) शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंकों (स्मॉल फाइनेंस बैंकों, पेमेंट बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को छोड़कर), क्लियरिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, नामित डाकघरों और मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज जैसे, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के जरिए बेचे जाएंगे।

मजबूत जीडीपी, महंगाई-बेरोगजारी पर नकेल व आर्थिक कॉरिडोर, 2023 में विकसित भारत की ओर ऐसे बढ़े कदम

नई दिल्ली, एजेंसी। साल 2023 के दिसंबर महीने की शुरुआत हो गई है। इस साल भारत ने आर्थिक मोर्चे पर कई उपलब्धियां हासिल की है। साल 2023 में देश की अर्थव्यवस्था एक नए मुकाम की ओर बढ़ रही है। भारत को विकासशील देश से विकसित देश बनाने की यात्रा शुरू हो गई है। वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बावजूद जीडीपी और महंगाई के मोर्चे पर साल 2023 में भारत का प्रदर्शन सराहनीय रहा है। साल 2023 में भारत ने जी 20 का सफल आयोजन कर दुनिया को नई राह दिखाई। वहीं इस आयोजन के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था के सशक्त बनने का रास्ता भी साफ हुआ।

भारत में आयोजित जी 20 समिट के दौरान भारत से यूरोप तक नया स्पाइस कॉरिडोर या आर्थिक कनेक्टिविटी कॉरिडोर बनाने पर भी सहमति बनी जो एक तरह से चीन के बीआरआई प्रोजेक्ट का तोड़ है। हाल ही में इटली ने बीआरई प्रोजेक्ट से होने की घोषणा कर एक तरह से भारत की परियोजना के साथ अपनी प्रतिबद्धता जाहिर कर दी है। आइए नजर डालते हैं साल 2023 में आर्थिक मोर्चे पर भारत की उपलब्धियों पर।

जीडीपी की रफ्तार बनाए रखने में सफल- तमाम वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत साल 2023 में अपनी मजबूत वृद्धि दर बनाए रखने में सफल रहा है। सकल घरेलू उत्पाद पर रेटिंग एजेंसी एसएंडपी के आंकड़ों से सकारात्मक से भी संदेश मिला है। एसएंडपी ने वित्त वर्ष 2023-24 में भारत की वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है। एजेंसी का मानना है कि अर्थव्यवस्था के सामने पैदा होने वाले प्रतिकूल हालात की भरपाई मजबूत वृद्धि दर से होगी। ऐसे में जीडीपी के मोर्चे पर साल 2023 में भारत का प्रदर्शन सराहनीय रहा है। आने वाले समय में देश की जीडीपी 6 प्रतिशत से 7.5 प्रतिशत के बीच बनी रह सकती है। भारत के केंद्रीय बैंक- रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने मौजूदा और अगले वित्त वर्ष के लिए जीडीपी वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है। सरकार के मुताबिक मार्च 2023 को समाप्त वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारत की अर्थव्यवस्था 7.2 फीसदी की दर से बढ़ी।

महंगाई नियंत्रण के मोर्चे पर मिली कामयाबी- महंगाई के मार्चे पर भी भारत का प्रदर्शन साल 2023 में संतोषजनक रहा। केंद्र सरकार और आरबीआई प्रतिबद्धता के साथ महंगाई दर को साल 2023 में अधिकतर समय पर आरबीआई के बैंड चार से छह प्रतिशत के बीच बनाए रखने में सफल रहा। मौसम की चुनौतियों के कारण खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों के कारण चिंता जरूर बढ़ी पर सरकार और आरबीआई के कदमों से इसे संतोषजनक दायरे में लाने में सफलता मिली। बढ़ती महंगाई को देखते हुए आरबीआई ने रेपो रेट को शुरुआत में बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया। उनका यह कदम सही साबित हुआ है और इससे महंगाई पर काबू पाने में मदद मिली। महंगाई के मोर्चे पर स्थिरता आने के बाद फरवरी 2023 के बाद से रेपो रेट को स्थिर रखा गया।

बेरोजगारी से जुड़े आंकड़ों में सकारात्मक बदलाव- साल 2023 में देश में बेरोजगारी दर कम करने में भी बड़ी सफलता मिली है। एनएसएसओ की ताजा आवधिक श्रम बल रिपोर्ट देश में 15 साल से अधिक उम्र के नागरिकों में बेरोजगारी दर 3.2 प्रतिशत दर्ज की गई यह छह साल में सबसे कम है। पिछले साल बेरोजगारी दर 4.1 प्रतिशत थी। वहीं 2020-21 में यह दर 4.2 प्रतिशत, 2019-20 में 4.8 प्रतिशत और 2018-19 में 5.8 और 2017-18 में 6 प्रतिशत थी। कामकाजी उम्र की कुल आबादी में 57.9 प्रतिशत लोग श्रम शक्ति में भागीदारी कर रहे हैं। यह संख्या 2017-18 में 49.8 प्रतिशत थी। ग्रामीण क्षेत्रों में यह 50.7 से बढ़कर 60.8 प्रतिशत तो शहरों में 47.6 प्रतिशत से 50.4 प्रतिशत हुई है। पुरुषों की 78.5 प्रतिशत संख्या श्रम शक्ति में भागीदारी कर रही है।

मेक इन इंडिया का ठप्पा लगाकर बिक रहे चीनी खिलौने, देसी कंपनियों को भारी नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। खिलौनों की क्वालिटी सुधारने के उद्देश्य से भारतीय मानक ब्यूरो ने कड़े नियम बनाए हैं। इन नियमों का सख्ती से पालन नहीं हो रहा है। सरकार की कोशिशों के बावजूद टॉयज के इंपोर्ट में कमी नहीं आ रही है। इससे देसी निर्माताओं को नुकसान हो रहा है। खिलौना निर्माता सरबजीत सिंह ने बताया कि बीआईएस ने मैन्युफैक्चरर्स के लिए लाइसेंसिंग प्रक्रिया आसान की है। रिन्युअल फीस में भी रियायत दी जाती है। माइक्रो इंडस्ट्रीज को कई तरह की छूट मिलती है। इन सबके बावजूद निर्माताओं का माल उम्मीद के मुताबिक नहीं बिक रहा है। दरअसल, अलग-अलग तरह से विदेशी खिलौने इंपोर्ट हो रहे हैं। उससे नुकसान झेलना पड़ रहा है। बीआईएस का नियम 14 साल से कम उम्र के बच्चों के खिलौनों पर लागू होता है। ऐसे में एक्सपोर्टर अपने टॉयज पर शो करते हैं कि वो 14 साल के अधिक उम्र के बच्चों के लिए है। फिर ये बीआईएस नॉर्म्स से बाहर हो जाते हैं। ये टॉयज आसानी से इंपोर्ट हो जाते हैं।

चीन से खिलौनों के कई पार्ट्स अलग-अलग पोर्ट से भारत में आ रहे हैं। यहां पेचकस से कसकर मेक इन इंडिया डब्बों में पैककर बेचते हैं जबकि भारत में खिलौना नहीं बना है। सरबजीत ने बताया कि बीआईएस लागू होने से पहले 85 प्रतिशत खिलौने बाहर से आते थे। तमाम प्रयासों के बावजूद इंपोर्ट में ज्यादा कमी नहीं ला सके हैं। आज भी 50 से 60 प्रतिशत खिलौने विदेश से आते हैं। कुछ टॉयज मिस डिक्लियरेंस करके लाए जा रहे हैं। इनमें खिलौने का नाम नहीं होता है। उसमें गिफ्ट और डेकोरेटिव आइटम शो करते हैं। इससे इंपोर्ट ड्यूटी और बीआईएस से भी बच जाते हैं। सरकार को इस पर ध्यान देना होगा।

दुकान पर खिलौना देखकर पसंद करते हैं बच्चे- द टॉयज असोसिएशन ऑफ इंडिया के चीफ कॉर्डिनेटर अमिताभ खरबंदा ने कहा कि बीआईएस ने तय कर रखा है कि एक पार्टिकुलर खिलौना 3 साल या 5 साल से ऊपर का बच्चा ही खेल सकता है। मगर, इंपोर्टेड खिलौनों पर लिखा होगा कि उसे 14 साल से ज्यादा उम्र के बच्चे खेल सकते हैं, तो यह नियमों का सरासर उल्लंघन है। कोई भी निर्माता 10 तरह के खिलौने बनाता है। यदि सभी पर लिखे कि 14 साल से बड़े बच्चे खेलेंगे, तो किसी को लैब लगाने की जरूरत ही नहीं है। बच्चे दुकान में खिलौना देखकर पसंद करते हैं। कोई ग्रेडिंग पर ध्यान नहीं देता। इस तरह की समस्याओं पर सरकार को गौर करना चाहिए। कोशिश हो कि देसी निर्माताओं का प्रोडक्शन और बिजनेस दोनों बढ़े।

अपेक्षा के अनुरूप नहीं इंडस्ट्री का ग्रोथ- द टॉयज असोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रेजिडेंट अजय अग्रवाल ने कहा कि इंपोर्टेड टॉयज पर बीआईएस के नियम लागू नहीं हो पा रहे हैं। काफी मात्रा में खुला माल विदेश से आ रहा है। बीआईएस को गहन विचार करना होगा। मैन्युफैक्चरर्स को प्रोटेक्ट करने की जरूरत है। नियम ऐसे हों, जिससे लोकल निर्माताओं को काम मिले। अभी पॉलिसी में क्लियरिटी नहीं है। खिलौनों के पार्ट्स के साथ तैयार टॉयज भी विदेश से आ रहे हैं। दिल्ली और देश के दूसरे बाजार विदेशी खिलौनों से भरे हैं। सरकार भारतीय खिलौना निर्माताओं और व्यापारियों को आगे बढ़ाना चाहती है। फिर भी इंडस्ट्री ग्रोथ अपेक्षा के अनुरूप नहीं है। देश में बहुत कम मैन्युफैक्चरर्स के पास लाइसेंस है। अधिक से अधिक लोगों को लाइसेंस दिए जाएं। व्यापारियों और निर्माताओं के संग इंटरेक्शन होगा, तो अधिक लोग खिलौना उद्योग से जुड़ेंगे। बीआईएस के संदर्भ में इंपोर्ट पॉलिसी के मापदंड स्पष्ट होने चाहिए।

खिलौनों पर जनवरी 2021 से बीआईएस मानक अनिवार्य- उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के तहत आने वाला बीआईएस मानक तय करने वाला राष्ट्रीय निकाय है। जनवरी 2021 से खिलौने के लिए गुणवत्ता प्रमाणन अनिवार्य किया गया है। किसी भी व्यापारी को ऐसे खिलौनों का निर्माण, आयात, बिक्री या वितरण, भंडारण या बिक्री के लिए प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं है, जो भारतीय मानक के अनुरूप नहीं हैं। बीआईएस ने जुलाई 2022 में लोगों से आइएसआइ के निशान वाले खिलौने खरीदने का आग्रह किया था। इससे टॉयज की क्वालिटी का प्रमाणन सुनिश्चित होता है। उपभोक्ताओं को यदि पता चलता है कि खिलौने बिना आइएसआइ के निशान के बेचे जा रहे हैं, तो इसकी शिकायत कर सकते हैं। बीआईएस केयर मोबाइल ऐप पर कंप्लीट दर्ज हो सकती है।

कृषि उपज मंडी प्रांगण में लगी आग मक्का, खाली बारदाने जले

किसान, व्यापारियों का हुआ नुकसान

छिंदवाड़ा। कृषि उपज मंडी कुसमेली में शनिवार को रात्री में बारदानों में आग लगने से मंडी शेड में रखे मक्के बोरे जलकर खाक हो गए। इसमें व्यापारियों सहित किसानों की फसल का नुकसान हुआ। बताया जाता है कि मंडी शेड क्रमांक तीन पर व्यापारियों सहित कुछ किसानों का माल रखा हुआ था शेड पर हमाल सो रहे थे। शनिवार को मौसम ने एक दम से करवट ली थी जिसकी वजह से रात का तापमान 10 डिग्री तक पहुंच गया वहीं शीत लहर भी चल रही थी। इसी शीत लहर से बचने के लिए शेड पर मौजूद लोगों ने अलाव जलाया आग तापते तापते सभी सो गए तभी रात में 2 बजे करीब अलाव की चपेट में शेड पर रखे बारदाने आ गए। बारदाने में आग लगते ही धीरे धीरे आग बढ़ गई जिसकी चपेट में शेड पर रखा व्यापारियों का माल भी जल गया। कुछेक किसानों का माल भी इसकी चपेट में आया है आग बढ़ते ही मौजूदा लोगों ने फायर बिग्रेड को बुलाया मौके पर टीम पहुंचकर आग पर काबू पाया गया आग ने बढ़ इसके लिए गार्डो द्वारा तत्काल अन्य बोरों को जगह से अलग कर दिया गया जिसकी वजह से आग ज्या नहीं बढ़ पाई। बताया जाता है कि किसानों का 120 बोरी अधिक मक्का की फसल जलकर खाक हो गई।

आवारा कुत्तों ने बछड़े का किया शिकार

एक गाय और बछड़े की मौत का मामला सामने आया है। बताया जाता है कि रात में आवारा कुत्ते गाय के बछड़े को जिंदा खा गए गाय जनने के बाद अपने बछड़े को भी नहीं बचा पाई सुबह जब कालोनी वासियों ने देखा तो गाय को बचाने के लिए फोन लगाया लेकिन डाक्टर समय पर नहीं पहुंचे आखिर गाय ने तड़फ तड़फ कर दम तोड़ दिया। लोगों पशु चिकित्सा विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

17 को मनायेगा पेंशनर्स डे

छिन्दवाड़ा। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स एसोसिएशन मध्यप्रदेश के जिलाध्यक्ष मीर जाहिद अली ने बैठक की अध्यक्षता नये सदस्य दुर्गा प्रसाद टांडेकर एवं महिला सदस्य श्रीमति भारती टेकारे की अध्यक्षता में सम्पन्न हुयी। बैठक में सर्वसम्मति से पुनः मीर जाहिद अली को अध्यक्ष चुना गया तथा प्रबंधकारिणी में कार्यकारी अध्यक्ष के.एस.सेंगर एवं बी.एन.विश्वकर्मा,वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक भोयर एवं जयरंजन सिंह राजपूत ,सचिव वकील अहमद खान संयुक्त सचिव ,आर.के.साखरे कोषाध्यक्ष ,सोमेश्वर बोरकर महामंत्री ,बी.एल.सदाफल ,नादिर सिद्धीकी, जागेश्वर डोमने ,एस.के.सोनी ,प्रचार प्रसार मंत्री मोहम्मद इसराइल खान, महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमति भारती टेकारे एवं कार्यकारी सदस्य एम.आर.शिवारे एवं राधेश्याम वर्मा को सर्वसम्मति से चुना गया ,साथ ही प्रांतीय कार्यकारिणी में मीर जाहिद अली को प्रांतीय संगठन मंत्री एवं शरद नामदेव को प्रचार मंत्री के पद पर प्रांतीय अध्यक्ष राजकुमार दुबे द्वारा नियुक्त करने पर उपस्थित सभी सदस्यों ने तालियाँ बजाकर स्वागत किया। इसी तारतम्य में नवगठित संगठन की नियमावली पढ़कर सुनाई गयी तथा प्रतियाँ बांटी गयी। दिनांक 17 दिसम्बर 2023 को पेंशनर्स डे मनाने का संकल्प पारित किया गया जिसका स्थान वार्ड नं.5 पार्षद कार्यालय पुराना पी.डब्ल्यू.डी.ऑफिस के निकट मनाने का सभी पेंशनरों को सूचित कर उपस्थित होने हेतु अनुरोध किया गया।

17 को नाग दिवाली पर होगें भव्य आयोजन

छिंदवाड़ा। संत गजानन गुणगान मंडल विवेकानंद कॉलोनी द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी नाग दीपावली के अवसर पर भव्य एवं दिव्य आयोजन किया जाएगा। संत गजानन गुणगान मंडल के संचालक आनंद बक्षी ने बताया कि आगामी 17 दिसंबर दिन रविवार को नाग दीपावली के पावन पर्व पर विवेकानंद कॉलोनी स्थित शिव गजानन मंदिर में प्रातः 8 बजे सभी देवी देवताओं और संत गजानन महाराज का वैदिक मंत्रोच्चार से अभिषेक किया जाएगा। सायं 5 बजे से संपूर्ण मंदिर को भक्तों द्वारा लाये गए दीपो से सजाकर वंश वृद्धि एवं संतान की सुख समृद्धि की कामना की जाएगी। यह उल्लेखनीय हैं कि नाग दिपावली मध्यप्रदेश में सिर्फ छिंदवाड़ा में ही भव्य रूप से मनाई जाती हैं। शिव गजानन मंदिर में आयोजित इस बैठक में कृष्णा मंगरुलकर, रजनीकांत बाजपेयी, संजय औरंगाबादकर, जयंत बक्षी, सुधीर साईखेड़कर, शरद जामठे, सुभाष समर्थ, प्रदीप मुले, श्याम महोरे, किशोर तातेकर, वर्षा पाठक, ऋतु मुले, स्मृति मगरे, श्रुति साईखेड़कर सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी उपस्थित रहे। संत गजानन गुणगान मंडल ने सभी धर्म प्रेमियों से उपस्थित होकर पुण्यार्जन का आग्रह किया हैं।

सुर बसंत संगीत समारोह में शिरक़त करेंगे शास्त्रीय संगीत के नामचीन कलाकार

छिंदवाड़ा। युवा प्रतिभा प्रोत्साहन मंच की विशेष बैठक रविवार को आयोजित की गई। कलेक्टर कार्यालय के सामने स्थित निजी स्कूल में सुर बसंत संगीत समारोह को भव्य एवं व्यवस्थित रूप से सम्पन्न कराने सम्बन्धी महत्वपूर्ण निर्णय बैठक में लिए गए। उक्त सम्पूर्ण आयोजन ज़िले का प्रतिष्ठित आयोजन है जिसके माध्यम से संगीत विधा से जुड़ी प्रतिभाओं को प्रोत्साहन एवं मंच प्रदान करने का कार्य संस्था द्वारा किया जा रहा है। विदित हो कि संस्था द्वारा आयोजित ऑनलाइन ऑडिशन के माध्यम से मुख्य समारोह में भाग लेने की इच्छुक प्रतिभाओं की प्रविष्टियाँ देश भर से प्राप्त हुई हैं, ऑडिशन पूर्णतः निःशुल्क आयोजित किए गए। उक्त बैठक में श्रीमती अलकनन्दा दुर्गे एवं निर्मला घई द्वारा समारोह हेतु सहयोग राशि भेंट कर तैयारियों में गति लाने की शुरुआत की गई। बैठक में संगीत गुरु नन्दलाल रघुवंशी, पंकज बोंडे, अमित सोनी, मोहित कपाले, रुचित बरमैया, सुबोध सोनी, ईश्वर दास पाटिल, राकेश %राज% विशेष रूप से उपस्थित रहे।

पिंडरई डवीर में एक्सीडेंट के बाद उपचार के दौरान हुई मौत

अमरवाड़ा। ग्राम पिंडरई डवीर मैं वाहन द्वारा एक्सीडेंट हो जाने से घायल को अस्पताल में दाखिल किया गया था जहां पर उसकी तीन दिन बाद मृत्यु होने का समाचार है ग्राम पिंडरई डवीर के रहने वाले घनश्याम की वाहन क्रमांक एमपी 28 एन ए 8588 के चालक के द्वारा लापरवाही पूर्वक तेज गति से वाहन चलकर घनश्याम को गंभीर रूप से घायल कर भाग गया था राहगीर के द्वारा घनश्याम को अस्पताल में दाखिल कराया गया जहां इलाज के चलते उसकी मौत हो गई पुलिस द्वारा वाहन चालक के विरुद्ध मामला भादवि धारा 279 304 ए में प्रकरण पंजीबद्ध विवेचना में लिया।

बाइक सवार को टक्कर मार दी

टोल प्लाजा के पास अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार की मौके पर मौत हो गई प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक ग्राम चारनखापा का रहने वाला है मौके पर पुलिस में पहुंचकर शव को अमरवाड़ा अस्पताल भिजवाया परिजनों को सूचना दी मर्ग कायम कर विवेचना में लिया।

राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा के लिये 16 परीक्षा केन्द्र बनेंगे

छिन्दवाड़ा। म.प्र.लोक सेवा आयोग द्वारा आगामी 17 दिसंबर 2023 को राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2023 का आयोजन किया गया है। जिला मुख्यालय और अनुविभाग के 16 परीक्षा केन्द्रों में यह परीक्षा दो सत्रों प्रातः 10 से दोपहर 12 बजे तक और दोपहर 2:15 से शाम 4:15 बजे तक आयोजित होगी जिसमें जिले के 6 हजार 881 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे ।

2,24,567 बच्चों को पिलाई गई पल्स पोलियो की दवाई

कलेक्टर द्वारा किया गया पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

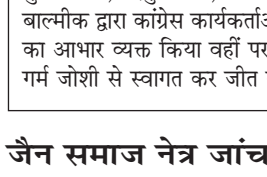

छिंदवाड़ा। जिले में 10 से 12 दिसंबर 2023 तक 0 से 5 साल तक के बच्चों को पल्स पोलियो अभियान के तहत ओरल पोलियो वैक्सीन की दो बूंद दवा पिलाई जाएगी जिसका शुभारंभ दिनांक 10 दिसंबर 2023 को कलेक्टर मनोज पुष्प के द्वारा जिला चिकित्सालय के बूथ में बच्चों को दो बूंद ओरल पोलियो वैक्सीन की दवा पिलाकर किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर जी सी चौरसिया द्वारा बताया गया कि जिले के शहरी क्षेत्र एवं समस्त विकास खंडों में कुल 270563 बच्चों को दवाई पिलाने का लक्ष्य रखा गया है जिसमें पहले दिन बूथ पर दवाई पिलाई जाएगी एवं दूसरे व तीसरे दिन घर-घर जाकर सर्वेक्षण दौरान छूटे हुए बच्चों को दवा पिलाकर पोलियो बीमारी से प्रतिरक्षित किया जाएगा ।जिसके लिए पूरे जिले में 2182 बूथ बनाकर 4544 कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है जिनके सुपरविजन हेतु 257 सुपरवाइजर की ड्यूटी लगाई गई हैं। जिनका निरीक्षण जिले के 12 नोडल अधिकारियों द्वारा किया जा रहा है खबर लिखे जाने तक पहले दिन 224567 बच्चों को दवाई पिलाई गई है जो निर्धारित लक्ष्य से 83 प्रतिशत बच्चों को दवा पिला दी गई है शेष छूटे हुए बच्चों को दूसरे व तीसरे दिन दवा पिलाकर शतप्रतिशत लक्ष्य पूर्ण कर लिया जाएगा । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जीसी चौरसिया द्वारा अपील की गई है कि सभी अभिभावक अपने 0 से 5 साल के सभी बच्चों को पास के पोलियो बूथ में ले जाकर पोलियो की दो बूंद दवा अवश्य पिलाएं ताकि बच्चों को पोलियो जैसी घातक बीमारी से बचाया जा सके।

शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर जी सी चौरसिया, प्रभारी सिविल सर्जन डॉ रवि टांडेकर ,प्रभारी जिला स्वास्थ्य अधिकारी 2 डॉक्टर अर्चना कैथबास, जिला मीडिया अधिकारी डॉक्टर प्रमोद वासनिक,डब्ल्यूएचओ एसएमओ डॉक्टर अमोल, शैलेंद्र पाठक चाई, श्रीमती आरती यादव एपीएम, व्हीसीसीएम महेश महेश्वरी , शहरी बीईई बीआर देशमुख, रघुनाथ वर्मा, सरला उईके एलएचव्ही,डाटा मैनेजर अनवर सिद्दीकी ,स्टोरकीपर मनीष श्रीवास्तव ,नीरज तिमोती, चंदन वंशकार, लकी सोनी, बूथ कर्मचारी एवं अन्य सहयोगी स्टाफ कर्मचारी उपस्थित रहे।

कोलीखापा इटावा की गौ-शाला का आकस्मिक निरीक्षण

छिन्दवाड़ा। उप संचालक पशुपालन विभाग छिंदवाडा डॉ.एच.जी.एस.पक्षवार द्वारा पांढुर्णा जिले के विकासखंड पांढुर्णा के ग्राम कोलीखापा इटावा की गौ-शाला का आज आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान गौ-शाला के संचालक सुधाकर सिंह और देवीदास उपस्थित थे। निरीक्षण में गौ-शाला का संचालन बहुत अच्छी तरह से होना पाया गया। उप संचालक पशुपालन विभाग डॉ.पक्षवार ने बताया कि निरीक्षण के दौरान गौ-शाला में वर्तमान में 89 गौ-वंश पाये गये और 35 बोरा स्वर्ण दाना पाया गया। उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान पानी के टांको को चूना से पुताई करने की सलाह दी गई और स्वच्छ पानी पिलाने की सलाह गौ-शाला संचालक को दी गई। गौ-शाला में पीने की पानी की पर्याप्त व्यवस्था है। गौ-शाला परिसर में बोर है जिसमें पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध है।

पात्र लाभार्थियों को सुलभ कराई जायेंगी आवश्यक सेवायें

छिन्दवाड़ा। विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत जिले के नगरीय निकायों और ग्राम पंचायतों में कैम्प लगाकर सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं संबंधी लक्षित और पात्र लाभार्थियों को आवश्यक सुविधाएँ सुलभ कराने का महत्वपूर्ण कार्य किया जायेगा। इस यात्रा के दौरान पात्र लाभार्थियों को आवश्यक सेवायें सुलभ कराई जायेंगी।कलेक्टर मनोज पुष्प ने बताया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान आयोजित होने वाले कार्यक्रम स्थलों पर स्वास्थ्य शिविर लगाये जायेंगे। इनमें सामान्य जाँच की सुविधा उपलब्ध रहेगी। साथ ही टीकाकरण, स्वास्थ्य परीक्षण, आयुष्मान भारत कार्ड आदि से लाभान्वित किया जायेगा।

सुखदेव सिंह के हत्यारों को फांसी देने की उठाई मांग सौंपा ज्ञापन

परासिया। कोयलांचल क्षेत्र परासिया में राजपूत समाज के लोगों ने महामहीम के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा । जिसमें राजस्थान करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी के हत्यारे को फांसी देने की मांग उठाई। बड़ी संख्या में परासिया नगर में राजपूत समाज के लोग एकत्रित होकर राजस्थान में हुई घटना के खिलाफ आक्रोश व्यक्त करते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंचे जहां एसडीएम पुष्पेंद्र निगम को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया । समाज के लोगों ने घटना की घोर निंदा करते हुए मांग रखी , कि यदि घटना से जुड़े आरोपियों को फांसी नहीं दी गई तो आंदोलन का रुख अपनाया जाएगा।

विधायक ने किया जनता का हार्दिक आभार व धन्यावाद

परासिया। विधानसभा क्षेत्र के विधायक सोहनलाल बाल्मीक परासिया विधानसभा से लगातार तीसरी बार जीत हासिल करने के बाद दिन शनिवार 9 दिसंबर को मतदाताओं का आभार व्यक्त करने उमरेठ ब्लाक के ग्राम गाजनडोह,बिजोरी गुमाई, पाठा, रिधौरा, छोटी छाबड़ी, गौरपानीमाल, जमुनियाजेठू, डोलनखापा, मुआ रैयत, दमुआमाल, कचराम, बिजकवाड़ा पहुंचे एवं विधायक बाल्मीक द्वारा कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणजनों से मुलाकात कर सभी का आभार व्यक्त किया वहीं परासिया विधायक को ग्रामीणों के लोगों ने गर्म जोशी से स्वागत कर जीत की बधाई शुभकामनाएं दी।

जैन समाज नेत्र जांच शिविर...

180 लोगों की जांच में 28 मोतियाबिंद रोगी

छिंदवाड़ा। दिगंबर जैन गोला पूरब महिला इकाई एवं अनेकांत महिला मण्डल के संयुक्त तत्वाधान में लायंस आई हास्पिटल एवं रिसर्च सेन्टर परासिया के सहयोग से एकीकृत शास.मा.शा. लिंगा में निः शुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया । शिविर में डॉ. रामकुमार बघेल ने अपनी टीम के साथ नेत्र परीक्षण किया। उक्ताशय की जानकारी गोला पूरब समाज के अध्यक्ष सुजीत जैन ने देते हुये बताया कि शिविर में 180 लोगों की जांच की गई और 28 केस मोतियाबिंद के पाए गए जिनका लायंस भाई हास्पिटल परासिया में नियत तिथि में निः शुल्क आपरेशन किया जाना है । इस अवसर जरूरत मंदों को निः शुल्क चशमा एवं आई ड्राप वितरित किए गए । गोला पूरब महिला इकाई की श्रीमती मीना अशोक जैन, श्रीमती मधुश्री अभय जैन, श्रीमती मीना सुजीत जैन, श्रीमती मधु मुकेश पटेरिया ने नेत्रदान का संकल्प लिया कार्यक्रम शाला परिवार और सरपंच रितेश कराड़े के साथ-साथ स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से यह नेत्र शिविर संपन्न हुआ ।

4 सौ किलो महुआ लाहन बरामद कर नष्ट किया

सलैया से लाहन, बर्रागोटी में मिली शराब

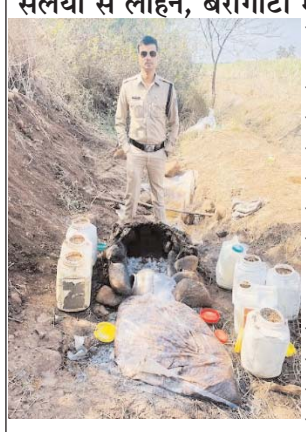

छिन्दवाड़ा। आबकारी विभाग के चौरई वृत्त के अमले ने तीन स्थानों पर कार्यवाही कर लाहन, हाथभट्टी शराब और विदेशी शराब जप्त की। अमले ने चाँद थाना अन्तर्गत ग्राम सलैया में नहर किनारे बने शराब के अड्डे से लगभग 4 सौ किलो महुआ लाहन बरामद कर नष्ट किया। इसके बाद बिछुआ थाना क्षेत्र के ग्राम पुन्तरा में किराना दुकान से हाथ भट्टी बेच रही केरा वाडीवा के ख़िलाफ़ अपराध दर्ज किया। खमारपानी चौकी अंतर्गत ग्राम बर्रागोटी निवासी सेकलाल के घर से विदेशी मदिरा के पाव जप्त कर मामला क़ायम किया गया। इस कार्यवाही के दौरान वृत्त प्रभारी अर्चना घोरमारे, आरक्षक सचिन श्रीवास्तव और भारती मरकाम उपस्थित थे।

पति-पत्नी के बीच विवाद का कारण बन रहा मोबाइल, शक और शराब

परिवार परामर्श केंद्र 20 प्रकरण आये 8 प्रकरणों में हुआ समझौता

अमरवाड़ा। परिवार परामर्श केंद्र अमरवाड़ा में पीड़ित पति-पत्नी एवं परिवारों का निराकरण अमरवाड़ा अनु विभाग के अनुविभागीय पुलिस अधिकारी रविंद्र मिश्रा के मार्गदर्शन एवं नगर निरीक्षक राजेंद्र सिंह धुर्वे थानेदार दीपा ठाकुर की उपस्थिति में शनिवार को 20 प्रकरण रखे गए थे, एक विशेष प्रकरण जिसमें पत्नी ने आरोप लगाया कि पति एवं उसके परिवार ने शादी के पूर्व यह बताया था कि लड़का फौज में नौकरी करता है ,शादी के 1 माह बाद में पता चला की वह फौज में नहीं बल्कि किसी संस्था में सिक्योरिटी का काम करता है तथा दहेज के लिए प्रताड़ित भी करने की शिकायत , तभी से पत्नी अपने मायके में रह रही है ,कुछ प्रकरणों में पति ने कहा कि मेरी पत्नी मेरे माता-पिता से ठीक से व्यवहार नहीं करती ! कुछ महिलाओं ने बताया कि पति दूसरी महिला से मोबाइल से बात करता है वही पति ने बताया की पत्नी रात को 2 बजे तक मोबाइल पर बात करती है ठीक से व्यवहार नही करती द्य कुछ ने बताया की पत्नी जब चाहे मायके जाने की बात करती है चली जाती है और मायके में रहती है जिससे उसे खाने पीने की परेशानी होती है ,कुछ प्रकरणों में शराबी पति के साथ पत्नी रहने को तैयार नहीं कुछ प्रकरण में इलाज न करने को लेकर दंपति के बीच विवाद हो रहा, अधिकतर प्रकरण शराब, मोबाइल, शक और दूसरे से संबंध के कारण दंपति के बीच विवाद बताया गया एक एक प्रकरण में बताया गया कि जिस व्यक्ति से मेरी शादी हुई वह दहेज की मांग कर प्रताड़ित करने की वजह से वह अपने मायके में आकर रहने लगी, उसे पति के साथ नहीं रहना , खर्चा दिलाया जावे।काउंसलर सलाहकार महिला आरक्षक डेस्क प्रभारी राजकुमारी बघेल, एडवोकेट ललिता सिंगद्यरे, प्रीति नामदेव के द्वारा पति-पत्नी को समझाया की साथ में रहे समन्वय का परामर्श देने पर आठ प्रकरणों में पति द्वारा पत्नी को ले जाने को तैयार हो गए ,बाकी अन्य प्रकरणों में समन्वय बनाने के लिए अगली पेशी दी द्य एक प्रकरण में न्यायालय की शरण में जाने की सलाह दी गई।

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ व सांसद नकुलनाथ होंगे जनता से रूबरू

चार दिनों में सम्पन्न होगी सात धन्यवाद सभा

छिन्दवाड़ा। सम्पूर्ण म.प्र. के लिये उदाहरण बने छिन्दवाड़ा जिले की सातों सीटों पर लगातार दूसरी बार कांग्रेस प्रत्याशियों की ऐतिहासिक जीत के सूत्रधार व सर्वमान्य नेता कमलनाथ व सांसद नकुलनाथ अपने प्रस्तावित चार दिवसीय प्रवास के दौरान छिन्दवाड़ा-पांढुर्ना की सातों विधानसभाओं में जनाभार व्यक्त कर आमजन से रूबरू होंगे। धन्यवाद सभाओं की तिथि एवं स्थान के सन्दर्भ में सांसद कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ व सांसद नकुलनाथ दिनांक 12 दिसम्बर को हेलीकाप्टर द्वारा भोपाल से प्रस्थान करेंगे। दोपहर 11 बजे नेताद्वय जामई में झिरना स्थित 48 क्वाटर घोड़ावाड़ी खुर्द (दमुआ) में धन्यवाद सभा को सम्बोधित करेंगे। दोपहर 12.30 बजे नेताद्वय का छिन्दवाड़ा आगमन होगा, तदोपरांत वे जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे। दिनांक 13 दिसम्बर को श्री नकुल-कमलनाथ छिन्दवाड़ा से प्रस्थान कर प्रातः 10.30 बजे सौंसर के सांवली में आयोजित धन्यवाद सभा को सम्बोधित करने के उपरांत दोपहर 11.30 बजे पांढुर्ना नगर सरगम टॉकीज में मतदाताओं का हार्दिक धन्यवाद व्यक्त करेंगे। सभा उपरान्त नेताद्वय का छिन्दवाड़ा आगमन होगा। तदोपरांत वे जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों में उपस्थित होंगे। सांय 6.30 बजे मणि महल लॉन चन्दनगांव में आयोजित सभा में उपस्थित होकर श्री नकुल-कमलनाथ छिन्दवाड़ा विधानसभा के मतदाताओं एवं जनता जर्नादन के प्रति धन्यवाद व्यक्त करेंगे।

मानव अधिकार दिवस

बीएसडब्ल्यू एमएसडब्ल्यू के स्टूडेंट ने रखे अपने विचार

छिंदवाड़ा। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद छिंदवाड़ा विकास खंड के माध्यम से संचालित बीएसडब्ल्यू एमएसडब्ल्यू की क्लासेस में रविवार पी जी कॉलेज में मानव अधिकार दिवस मनाया गया इस अवसर पर जन अभियान परिषद के ब्लाक समन्वयक अखिलेश जैन,परामर्शदाता समाजसेवी विनोद तिवारी,श्रीमती लता नागले, श्रीमती तृप्ति सिंह जय प्रकाश सूर्यवंशी अशीष साहू सहित सभी बीएसडब्ल्यू एमएसडब्ल्यू के स्टूडेंट उपस्थित थे।इस अवसर पर जन अभियान परिषद के ब्लाक समन्वयक अखिलेश जैन ,ने कहा की आज 10 दिसंबर को मानव अधिकार दिवस मनाया जाता है हम सभी मिलकर इस अवसर पर मानव के अधिकार एवं उसके कर्तव्य को जाने। मानव अधिकार से तात्पर्य उन सभी अधिकारों से है जो व्यक्ति के जीवन, स्वतंत्रता, समानता एवं प्रतिष्ठा से जुड़े हुए हैं। यह सभी अधिकार भारतीय संविधान के भाग-तीन में मूलभूत अधिकारों के नाम से वर्णित किए गए हैं और न्यायालयों द्वारा प्रवर्तनीय है, जिसकी भारतीय संविधान न केवल गारंटी देता है, बल्कि इसका उल्लंघन करने वालों को अदालत सजा भी देती है। वैसे तो भारत में 28 सितंबर, 1993 से मानव अधिकार कानून अमल में लाया गया था और 12 अक्टूबर, 1993 में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का गठन किया गया था, लेकिन संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 10 दिसंबर 1948 को घोषणा पत्र को मान्यता दिए जाने पर 10 दिसंबर का दिन मानवाधिकार दिवस के लिए निश्चित किया गया।सभी मनुष्यों को गौरव और अधिकारों के मामले में जन्मजात स्वतंत्रता और समानता प्राप्त है। चाहे कोई देश या प्रदेश स्वतंत्र हो, संरक्षित हो, या स्वशासन रहित हो, या परिमित प्रभुसत्ता वाला हो, उस देश या प्रदेश की राजनैतिक क्षेत्रीय या अंतर्राष्ट्रीय स्थिति के आधार पर वहां के निवासियों के प्रति कोई फर्क नहीं रखा जाएगा।प्रत्येक व्यक्ति को जीवन, आजादी और सुरक्षा का अधिकार है। परामर्शदाता विनोद तिवारी ने कहा की गुलामी या दासता से आजादी का अधिकार, अर्थात किसी भी व्यक्ति को गुलामी या दासता की हालत में नहीं रखा जा सकता, गुलामी-प्रथा और व्यापार पूरी तरह से निषिद्ध होगा। यातना, प्रताड़ना या क्रूरता से आजादी का अधिकार अर्थात किसी को भी शारीरिक यातना नहीं दी जा सकती और न किसी के भी प्रति निर्दय, अमानवीय या अपमानजनक किया जा सकता है।कानून के सामने समानता का अधिकार अर्थात हर किसी को, हर जगह कानून की निगाह में व्यक्ति के रूप में स्वीकृति-प्राप्ति का अधिकार है।।घर, परिवार और पत्राचार में निजता का अधिकार, अर्थात किसी व्यक्ति की एकांतता, परिवार, घर, या पत्र व्यवहार के प्रति कोई मनमाना हस्तक्षेप न किया जाए, न ही किसी के सम्मान और ख्याति पर कोई आक्षेप हो। ऐसे हस्तक्षेप या आक्षेपों के विरुद्ध प्रत्येक को कनूनी रक्षा का अधिकार प्राप्त है।अपने देश में भ्रमण और किसी दूसरे देश में आने-जाने का अधिकार, अर्थात प्रत्येक व्यक्ति को प्रत्येक देश की सीमाओं के अंदर स्वतंत्रतापूर्वक आने, जाने और बसने एवं अपने या पराए किसी भी देश को छोड़ने और अपने देश वापस आने का अधिकार है।

झोलाछाप डॉक्टरों का आतंक

स्वास्थ्य विभाग गहरी निद्रा में

ग्रामीण इलाकों में आमजनों के स्वास्थ्य के साथ हो रहा खुलेआम खिलवाड़

अमरवाड़ा। विगत दिनों अमरवाड़ा क्षेत्र में हुए हादसे के बाद भी स्वास्थ्य विभाग के महकमे में कोई भी हलचल दिखाई नहीं दी है। जिससे यह अनुमान लगाया जा सकता है कि स्वास्थ्य विभाग किस हद तक सुस्त हालत में पड़ा हुआ है। विदित हो कि एक डॉक्टर के क्लीनिक में बुजुर्ग की मौत हो जाने के बाद उसे बरगी डैम में फेंका गया था। ऐसे कई क्लीनिक है जो अवैध रूप से संचालित है परंतु ऐसे में समय-समय पर स्वास्थ्य विभाग का निरीक्षण ना कर पाना आम जनों के जीवन के साथ खुलेआम खिलवाड़ हो रहा है। अमरवाड़ा और हर्रई दोनों ही ग्रामीण अंचल क्षेत्र है। जहां दूरस्थ ग्रामों के बीचो-बीच बाजार भरने वाले ग्रामों में कुछ अवैध क्लिनिक खुलेआम संचालित किए जा रहे हैं। इसके अलावा कुछ झोलाछाप डॉक्टर भी गांव-गांव जाकर तो कुछ अपने घर में ही आयुर्वेदिक इलाज के नाम पर जमकर चांदी काट रहे हैं परंतु इन पर ना तो कोई कार्यवाही हो रही है और ना ही सजा। ऐसे में कई बार आम जनों को अपने जिंदगी से ही हाथ धोना पड़ जा रहा है।ऐसा ही कुछ हर्रई क्षेत्र में भी देखने को मिल रहा है। दूरस्थ क्षेत्रों में बसे ग्रामीण इलाकों में आयुर्वेदिक इलाज के नाम पर जमकर चांदी काटी जा रही है। आयुर्वेदिक के साथ-साथ एकई डॉक्टर एलोपैथिक का भी इलाज कर रहा है। जिससे आम जनों के जीवन के साथ खुलेआम खिलवाड़ किया जा रहा है। इन सब के बीच हर्रई का सुरलाखापा गांव अवैध क्लिनिक और झोलाछाप डॉक्टरों का गढ़ बन चुका है। यहां लगभग तीन बंगाली तो वही लगभग 5 से अधिक एलोपैथिक और आयुर्वेदिक के तथाकथित डॉक्टर बने हुए है। यह खुलेआम आमजनों का इलाज कर रहे हैं। कभी-कभार एक दो लोगों को आराम मिल भी गया तो कोई बात नहीं परंतु कई बार यहां पर कैस बिगड़ भी रहे हैं। जिसके चलते सीधे नरसिंहपुर या छिंदवाड़ा परिजनों द्वारा मरीज को ले जाया जाता है। बीते दिनों एक सुरला का कैस भी इसी ग्राम में इलाज के दौरान बिगड़ा था। सुरलाखापा में देखा जाए तो एक उप स्वास्थ्य सामुदायिक केंद्र भी है,जो की इलाज के लिए नाम मात्र है। उसके बाद भी इतने सारे बंगाली डॉक्टर और अन्य झोलाछाप डॉक्टरों का एलोपैथिक और आयुर्वेदिक इलाज के नाम पर अपने घर में ही इलाज करना कहां तक बाजीब है यह तो विचारणीय है। हालांकि अब देखना होगा की खबर प्रकाशन के बाद जिले में बैठे वरिष्ठ अधिकारी कब तक जांच और निरीक्षण कर कार्यवाही कर पाते हैं।

तीन राज्यों में कांग्रेस की हार के बाद इंडिया गठबंधन की पहली बैठक, सीट बंटवारे पर हो सकती है चर्चा

नई दिल्ली। इंडिया गठबंधन के नेताओं की अगली बैठक (चौथी बैठक) 19 दिसंबर को नई दिल्ली में होगी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने अपने एक्स पर एक पोस्ट शेयर कर इसकी जानकारी दी है। छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में कांग्रेस की हार के बाद इंडिया गठबंधन की ये पहली बैठक होगी। माना जा रहा है कि इस बैठक में कई अहम फैसले लिए जाए सकते है।

मैं नहीं, हम नारे से होगा मोदी का मुकाबला

जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा कि इंडिया ब्लॉक दलों के नेताओं की चौथी बैठक 19 दिसंबर को दोपहर 3 बजे नई दिल्ली में होगी। बता दें, इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 6 दिसंबर को इंडिया ब्लॉक के नेताओं की बैठक बुलाई थी, लेकिन ममता बनर्जी, नीतीश कुमार, एमके स्टालिन और अखिलेश यादव जैसे नेताओं के ना आने के कारण इसे आगे बढ़ा दिया गया था। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मुकाबला करने के लिए विपक्षी दलों का इरादा एकजुटता बनाए रखते हुए मैं नहीं, हम नारे के साथ आगे बढ़ने का है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों के सामने अब चुनौती अगले आम चुनाव में बीजेपी का मुकाबला करने के लिए वैकल्पिक सकारात्मक एजेंडे के साथ सामने आने की है।

भोपाल में कुख्यात बदमाश का शॉर्ट एनकाउंटर, घायल हुआ

भोपाल। भोपाल में सोमवार तड़के 3.30 बजे एक बदमाश शॉर्ट एनकाउंटर में घायल हो गया। उसके पैर में गोली लगी है। बदमाश ने भोपाल में दिनदहाड़े एक टेंट कारोबारी को गोली मारी थी। इसके बाद सोशल मीडिया पर वीडियो अपलोड कर सीहोर जिले के दोहरा थाना प्रभारी को जान से मारने की धमकी भी दी थी।

3 दिसंबर रविवार को भोपाल के बुधवारा में नसीम बन्ने खां ने आमिर उर्फ बर्फ और दो सीथियों के साथ नवाज रियाज (30) को ताज टेंट हाउस में घुसकर गोलियां मारी थीं। उसके साथियों ने नवाज पर तलवार से हमला किया था। पुलिस बन्ने खां को गिरफ्तार कर सोमवार तड़के रिकवरी के लिए ले जा रही थी। इसी दौरान मनुआभान टेकरी पर उसने भागने का प्रयास किया। उसने पुलिस पर पत्थर से हमला कर दिया। जवाबी फायरिंग में पुलिस टीम की एक गोली उसके पैर में लगी।

डीसीपी रियाज इकबाल ने बताया कि आरोपी को हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक पुलिसकर्मी भी घायल हुआ है।तलैया थाना की तीन और क्राइम ब्रांच की एक टीम बन्ने खां की तलाश कर रही थी। भोपाल सहित आसपास के संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही थी। उसकी गैंग के तीन आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

बन्ने खां फरारी के दौरान सोशल मीडिया पर एक्टिव था। उसने एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उसने दोराहा थाना प्रभारी को गोली मारने की धमकी दी। अब पुलिस को वारदात के मास्टरमाइंड आमिर उर्फ बर्फ की तलाश है।

मौसम में बदलाव के कारण बिगड़ रही सेहत, हमीदिया-जेपी में वायरल के मरीजों की संख्या बढ़ी

भोपाल। हमीदिया और जेपी हास्पिटल में बीते 15 दिन में मौसमी बीमारी (वायरल) के मरीजों की संख्या 20 फीसद तक बढ़ गई है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों पर नजर डालें तो 15 से 30 नवंबर तक हर दिन दोनों अस्पतालों में वायरल के करीब 460 मरीज आ रहे थे, लेकिन 1 नवंबर से अब तक हर दिन औसतन यह संख्या 850 तक पहुंच गई है। यह संख्या पिछले साल के मुकाबले 16 फीसद अधिक है।

खासकर, दो दिन में मौसम में बदलाव से वायरल और जीवाणु संक्रमण का खतरा बढ़ा है। विशेषज्ञों के मुताबिक, इसकी दो वजह है। पहली, मौसम में तेजी से बदलाव आया है और लोग इसके हिसाब से तैयार नहीं थे। दूसरे, जब लोग वायरल से पीड़ित हुए तो न मास्क लगाया और न समय पर इलाज करवाया। ऐसे में वायरल ठीक होने में दो से तीन दिन की बजाय दस दिन तक समय लग रहा है। जेपी और हमीदिया के डाक्टरों का कहना है कि आमतौर पर मौसमी बुखार 7 से 10 फीसदी तक बढ़ता है, लेकिन इस साल 20 फीसदी पहुंच गया है। गांधी मेडिकल कालेज डीन डा.सलिल भार्गव के मुताबिक, यह एक अज्ञात वायरल है। इसके लक्षण कोविड जैसेहोते हैं, लेकिन कोविड नहीं है,लेकिन इस दौरान मरीज पूरी तरह से कोविड गाइड लाइन का पालन करना है। इससे मरीज जल्दी स्वास्थ्य हो सकता है।

प्रदेश भाजपा कार्यालय मे आज भाजपा विधायक दल की बैठक के पहले विधायकों का पंजीयन शुरू हुआ। यहां पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल, पूर्व सांसद राकेश सिंह आदि पहुंचे, उनका तिलक लगाकर स्वागत किया गया।

विकसित भारत संकल्प यात्रा संबंधी सभी विभाग रखे पूर्ण तैयारी: कलेक्टर

भोपाल। कलेक्टर आशीष सिंह ने जिले में विकसित भारत संकल्प यात्रा के संबंध में निर्देश देते हुए बताया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा में नगरीय निकायों और ग्राम पंचायतों में कैम्प लगाकर केन्द्र सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं संबंधी लक्षित और पात्र लाभार्थियों को आवश्यक सुविधाएँ सुलभ कराने का महत्वपूर्ण कार्य किया जायेगा। इसके अंतर्गत जिले के नगरीय क्षेत्रों में 14 दिसंबर से एवं ग्रामीण क्षेत्र में 18 दिसंबर से यह यात्रा प्रारंभ होगी। कलेक्टर श्री सिंह ने यात्रा के संबंध में विभिन्न निर्देश कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा पत्रों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक के दौरान दिये।

बैठक मे नगर निगम आयुक्त फ्रेंक नोबल, सीईओ जिला पंचायत ऋतुराज सिंह, एडीएम हरेन्द्र नारायण, एडीएम प्रकाश सिंह, एडीएम भूपेन्द्र गोयल सहित सभी अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान आयोजित होने वाले कार्यक्रम स्थलों पर स्वास्थ्य शिविर लगाये जायेंगे। इनमें सामान्य जाँच की सुविधा उपलब्ध रहेगी। कार्यक्रम स्थलों पर प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के हितग्राहियों के आवेदन भी प्राप्त किये जायेंगे। ऐसे किसान, पशुपालक, मछुआरे, जिनके पास क्रेडिट कार्ड नहीं हैं, उनके आवेदन लेने और संबंधित बैंकों से समन्वय कर क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराने की कार्यवाही भी की जायेगी। कैम्प में आधार कार्ड के अपडेशन का कार्य और विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को लाभ भी वितरित किया जायेगा। इसी के साथ यात्रा के दौरान कार्यक्रम स्थलों पर लगाये गये कैम्प में पेंशन योजनाओं के स्टॉल भी लगाये जायेंगे। इसमें वृद्धावस्था, विधवा और दिव्यांगजन पेंशन की जानकारी देने के साथ ही प्रकरणों के निराकरण की कार्यवाही भी की जायेगी। कलेक्टर ने सभी संबंधित विभागों को यात्रा के दौरान उनसे संबंधित तैयारियों को पूर्ण रखने के निर्देश दिये।

इसी के साथ कलेक्टर ने बैठक में राजस्व अधिकारियों को सीमांकन के प्रकरणों का निराकरण तेज़ी से करने के निर्देश दिये साथ ही सभी राजस्व अधिकारियों को उनके न्यायालयों में नियमित सुनवाई कर पेंडेंसी कम करने के निर्देश भी दिये।

मप्र: तापमान में लगातार गिरावट, कई शहरों में कोहरा

भोपाल। मध्यप्रदेश में रात में भी ठंड का असर बढ़ गया है। रविवार-सोमवार की रात पचमढ़ी, ग्वालियर और राजगढ़ की रात सबसे ठंडी रही। पचमढ़ी में 9.2 डिग्री, ग्वालियर में 9.8 डिग्री और राजगढ़ में पारा 8.4 डिग्री रहा। भोपाल में 12 डिग्री पर पारा आ गया। वहीं, इंदौर में 14.6 डिग्री, उज्जैन में 13.2 डिग्री और जबलपुर में तापमान 12 डिग्री दर्ज किया गया। उमरिया, नौगांव, दतिया भी ठंडे रहे। टेम्प्रेचर में लगातार गिरावट होने से कई शहरों में कोहरा छाया रहा तो पौधों पर ओस की बूंदे भी जम गईं।

रातें भी ठंडी हैं। भोपाल में शनिवार-रविवार रात में तापमान 11.9 डिग्री रहा। पचमढ़ी में 7.8 डिग्री पर आ गया। राजगढ़ में 10.4 डिग्री, बैतूल में 10.7 डिग्री, छिंदवाड़ा में 10.5 डिग्री दर्ज किया गया। बाकी शहरों में 11 से 14 डिग्री के आसपास ही तापमान रहा।

मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि 11 दिसंबर को उत्तर भारत में पश्चिमी विक्षोभ आ रहा है, लेकिन इसका प्रदेश में असर कम रहने का अनुमान है। इस कारण रात में भी ठंड का असर बढ़ा है। दिन में धूप भी खिल रही है। उत्तर से सर्द हवाएं आने से ठिठुरन बनी हुई है। अधिकतम तापमान की बात करें तो रविवार को भोपाल में 26.4 ग्वालियर में 27 इंदौर में 25.8 बैतूल में 24.7 छिंदवाड़ा में 25 जबलपुर में 25.4 मंडल में 26.4 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज हुआ वहीं बालाघाट की मलाजखंड में सबसे कम अधिकतम तापमान 21.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मौसम विभाग ने 11 दिसंबर से यानी कि आज से एक और पश्चिमी विक्षोभ की सक्रिय होने का अनुमान है इस कारण प्रदेश से कुछ हिस्सों में बादल छाए रह सकते हैं वहीं कुछ हिस्सों में वर्षा भी हो सकती है।

एक महीने तक और रहेगी शहर में लहसुन के दाम में तेजी

भोपाल। एक वर्ष से महंगा लहसुन खरीदना पड़ रहा है। अब एक महीने बाद नया लहसुन आने से भाव में गिरावट आएगी, तब तक लहसुन की गर्माहट बनी रहेगी। बीत रहे वर्ष में लहसुन 180 रुपये प्रतिकिलो से कम नहीं हुए। 200 से 250 रुपये प्रतिकिलो तक फुटकर में बिका। वहीं थोक के भाव 150 से 180 रुपये प्रतिकिलो रहा। जिससे फुटकर में सब्जी विक्रेताओं ने 200,220,250 रुपये के भाव लहसुन बेचा। करोंद सब्जी मंडी में खपत के हिसाब से लहसुन की आवक नहीं हो रही है। लहसुन के थोक विक्रेता वसीम खान ने बताया कि पिछले वर्ष-2022 में लहसुन की आवक अधिक हुई थी। किसानों को 10 रुपये प्रतिकिलो तक ही लहसुन बेचना पड़ा था। बड़ी मात्रा में खराब भी हुआ था। ऐसे में प्रदेश के किसानों ने लहसुन की फसल कम की। इससे वर्ष-2023 अब तक लहसुन महंगा ही बिका। हर दिन लहसुन की करोंद सब्जी मंडी मं आवक कम ही रही। इससे लहसुन के भाव में नरमी नहीं आई।

प्रदेश के इन जिलों से आता है लहसुन- नीमच, मंदसौर, शाजापुर, नर्मदापुरम, रायसेन, विदिशा, ब्यावरा सहित भोपाल में लहसुन की पैदावार बड़ी मात्रा में होती है। प्रदेश से लहसुन महाराष्ट्र, कनार्टक, गुजरात सहित अन्य प्रदेशों भी आपूर्ति की जाती है। इस वर्ष लहसुन की फसल अधिक मात्रा में नहीं होने से लहसुन महंगा ही बिक रहा है। अब आवक बढ़ने के बाद ही भाव में गिरावत आएगी इधर अदरक भी सस्ता नहीं हो रहा करोंद सब्जी मंडी में बीते चार महीनों से अदरक भी आवक नहीं बढ़ पा रही है। असम, कनार्टक सहित अन्य राज्यों से अदरक आ रहा है। स्थानीय स्तर पर अदरक की आवक न के बराबर है।

दुआ की नमाज के बाद आलमी तब्लीगी इज्तिमा का समापन

दुआ-ए-खास में जुटे 10 लाख से अधिक लोग, मौलाना साद ने कहा-नमाज की पाबंदी रखना जरुरी

भोपाल। ईंटखेड़ी में चल रहे चार दिनी आलमी तब्लीगी इज्तिमा का दुआ-ए-खास के साथ समापन हो गया। मौलाना मोहम्मद साद ने दुआ-ए-खास से पहले आखिरी बयान में नमाज की पाबंदी करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमें हर हाल में हक के रास्ते पर चलना है। इसी के साथ ईमानदारी भी बरतनी है और हक पर कायम रहना है। दुआ में करीब 10 लाख लोगों ने शिरकत की। आधे घंटे चली दुआ में मौलाना साद ने दुनिया में अमन-चैन के साथ मुल्क की तरक्की के लिए भी दुआ कराई।

इससे पहले रविवार को सुबह से रात तक लोगों के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। पुलिस ने सोमवार की भीड़ को देखते हुए एक दिन पहले बड़े वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी थी। दूसरी ओर, रेलवे स्टेशन से लेकर ईंटखेड़ी तक इज्तिमा कमेटी के वॉलेंटियर्स ट्रैफिक मैनेजमेंट की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

इज्तिमागाह ग्रीन, क्लीन और डस्ट फ्री रहा

खास बात यह रही कि इस बार इज्तिमागाह ग्रीन, क्लीन और डस्ट फ्री रहा। इज्तिमा गाह की मिट्टी पर बड़ी तादाद में लोगों की चहल-पहल से उड़ने वाले धूल के गुबार रोकने के लिए हर 4 घंटे में स्प्रिंकलर से पानी का छिड़काव किया जाता रहा। इज्तिमा शुरू होने से कई दिन पहले ये प्रक्रिया शुरू कर दी गई थी, जो आयोजन के दौरान भी सतत जारी रही।

रेलवे ने किया इंतजाम

इज्तिमा से लौटने वाले लोगों को टिकट खरीदने के लिए लाइन में लगने से बचने के लिए रेलवे ने यूटीएस (अनरिजर्व टिकट सिस्टम) ऐप यूज करने की सलाह दी। जिसमें बताया गया कि इस ऐप के माध्यम से लाइन में लगकर टिकट लेने की जरूरत नहीं होगी। वे सीधे ऐप से जनरल टिकट प्राप्त कर सकते हैं। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने अनारक्षित टिकट लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों से अपील की है कि वे मोबाइल टिकटिंग ऐप पर यूटीएस के उपयोग को बढ़ावा दें, और उपयोग से जुड़े हितों का लाभ उठाएं। किसी भी ऐप स्टोर से ऐप डाउनलोड करें। ऐप पर रजिस्ट्रेशन के लिए साइन अप करें। और टिकट बुक करें।

दिवंगत कर्मचारियों को शहीद का दर्जा, एक करोड़ दी जाए आर्थिक सहायता

भोपाल। विधानसभा चुनाव 2023 की चुनाव ड्यूटी के दौरान दिवंगत हुए शासकीय कर्मचारियों को निर्वाचन आयोग ने मात्र प्रति दिवंगत कर्मचारी 15 लाख रुपए आर्थिक सहायता देने का निर्णय लिया है जो कि ऊंट के मुंह में जीरा है मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने निर्वाचन आयोग के आयुक्त को पत्र लिखकर मांग करी है कि चुनाव ड्यूटी के दौरान दिवंगत हुए कर्मचारियों को 15 लाख के स्थान पर एक करोड रुपए प्रति कर्मचारी आर्थिक सहायता निर्वाचन आयोग से दी जाए।

मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के प्रांत अध्यक्ष अशोक पांडे ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया है कि विधानसभा चुनाव 2023 के चुनाव ड्यूटी के दौरान शासकीय कर्मचारी शालिगराम नागवंशी जबलपुर जरनैल सिंह टीकमगढ़ बी श्याम कुमार सिवनी प्रवीण तावड़े खंडवा नरेंद्र राम रायसेन भूपत सिंह मरावी मंडला भीमराव पाटनकर बैतूल हरी बाबू रघुवंशी रायसेन युवराज ठाकरे जबलपुर तालार दरी दमोह विनोद शर्मा चंचलेश अहिरवार छिंदवाड़ा कन्हैयालाल गुरोदिया सीहोर की मृत्यु हो गई थी लेकिन सरकार एवं निर्वाचन आयोग ने चुनाव संपन्न होने के 23 दिन बाद भी किसी प्रकार की आर्थिक सहायता चुनाव ड्यूटी में दिवंगत हुए कर्मचारियों के परिवार को नहीं दी थी अब 23 दिन बाद संगठन की मांग पर निर्वाचन आयोग ने मात्र 15 लाख रुपए प्रत्येक दिवंगत कर्मचारियों के परिवार को आर्थिक सहायता देने का निर्णय लिया है जो न्यायोचित नहीं है पुलिस विभाग में ड्यूटी के दौरान दिवंगत होने पर पुलिस कर्मचारी के परिवार को एक करोड रुपए की आर्थिक सहायता दी जाती है तथा वन विभाग में ड्यूटी के दौरान मृत्यु होने पर वन कर्मचारी के परिवार को 25 लख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाती है कर्मचारी मंच की मांग है कि चुनाव ड्यूटी के दौरान कर्तव्य की वेदी

पर प्राण की आहुति देने वाले शासकीय कर्मचारी की मृत्यु पर निर्वाचन आयोग एक करोड रुपए की आर्थिक सहायता चुनाव ड्यूटी में दिवंगत हुए कर्मचारी के परिवार को देने के आदेश जारी करें साथ ही चुनाव ड्यूटी के दौरान दिवंगत हुए कर्मचारियों को सरकारी शहीद का दर्जा दिया जाए।